website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 314 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 21 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

नक्सल-माओवादी आतंक अंतिम पड़ाव पर, पीएम मोदी ने जवानों की वीरता को किया सलाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गोवा में स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर नौसेना के जवानों के बीच दीपावली मनाते हुए कहा कि भारत अब नक्सल-माओवादी आतंक से लगभग मुक्ति के कगार पर है। प्रधानमंत्री ने सुरक्षाबलों, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की बहादुरी और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि जिन इलाकों में कभी भय और हिंसा का बोलबाला था, आज वहां विकास की रोशनी फैल रही है। पीएम मोदी ने बताया कि वर्ष 2014 से पहले देश के लगभग 125 जिले नक्सली हिंसा से प्रभावित थे, लेकिन बीते दस वर्षों के लगातार प्रयासों से यह संख्या घटकर सिर्फ 11 जिलों तक रह गई है। उन्होंने कहा कि इनमें से भी वास्तव में प्रभाव वाले क्षेत्र अब केवल तीन जिलों तक सीमित हैं। उन्होंने कहा "आज पहली बार देश के 100 से अधिक जिले पूरी तरह माओवादी आतंक से मुक्त हो चुके हैं और खुली हवा में सांस ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि जिन इलाकों में कभी माओवादी सड़कों को ब्लॉक कर देते थे, स्कूल और अस्पताल और विकास कार्य रोक देते थे-आज वहां नई सड़कें बन रही हैं, उद्योग स्थापित हो रहे हैं, और बच्चे स्कूलों में पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब ये क्षेत्र भय और उत्पीड़न से बाहर निकलकर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। पीएम मोदी ने इस अवसर पर सुरक्षाबलों की वीरता को याद करते हुए कहा कि नौसेना के जवानों के लिए तो मौत से खेलना सामान्य बात है, लेकिन पुलिसकर्मी, जो केवल डंडे लेकर जनता की सेवा करते हैं, उन्होंने भी नक्सलवाद के खिलाफ असाधारण साहस दिखाया है। उन्होंने कहा, "मैं हमारे पुलिस बल के उन जवानों को सलाम करता हूं, जिन्होंने अपने पैर खो दिए लेकिन हिम्मत नहीं हारी, जिनके हाथ कट गए लेकिन उनका जज्बा बरकरार रहा। उन्होंने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा और देश को नक्सली आतंक से मुक्त कराने में अहम भूमिका निभाई।" प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार पुलिस बल ने इतनी बड़ी चुनौती का सामना किया है और पिछले दस वर्षों में उन्होंने 50 वर्षों से चले आ रहे इस संकट को समाप्त करने में सफलता पाई है। उन्होंने कहा "मुझे विश्वास है कि वे पूरी तरह सफल होंगे। नक्सलवाद को खत्म करने में वे 90 प्रतिशत सफलता पहले ही हासिल कर चुके हैं। पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों को अपना परिवार बताते हुए कहा कि वह लगातार 11 वर्षों से हर दीपावली भारत के वीर जवानों के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बल, पुलिस और अर्धसैनिक बल देश की असली ताकत हैं, जिनकी बदौलत आज भारत विकास और सुरक्षा दोनों में नई ऊंचाइयां छू रहा है।

दीपोत्सव ने अयोध्या को दी नई वैश्विक पहचान- सीएम योगी आदित्यनाथ

यूपी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के कारसेवकपुरम में दीपोत्सव मिलन कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि पिछले नौ वर्षों में दीपोत्सव ने अयोध्या को नई वैश्विक पहचान दी है। उन्होंने लोगों से समाज में एकता बनाए रखने, विभाजनकारी तत्वों के प्रति सतर्क रहने और सामुदायिक भावना के साथ त्योहार मनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "दीपोत्सव के माध्यम से अयोध्या का प्रकाश पूरी दुनिया तक फैल सकता है। हमें उत्साह और जोश के साथ काम करना है, लेकिन समाज और राष्ट्र के लिए विनाशकारी तत्वों के प्रति सतर्क भी रहना है। यह जिम्मेदारी अब राम जन्मभूमि आंदोलन और भव्य श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के बाद और बढ़ गई है।"

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अयोध्या के स्वच्छता कार्यकर्ताओं के एक कॉलोनी का दौरा किया और वहां मिठाइयां वितरित कीं। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि आत्मा में आशा का प्रतीक और समाज में सौहार्द्र का संदेश है। उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि पटाखे जलाते समय सावधानी बरतें और दीपावली जिम्मेदारी से मनाएं। मुख्यमंत्री ने लिखा, "दीपावली के अवसर पर मैं सभी बहनों और भाइयों को शुभकामनाएं देता हूं। यह पर्व सत्य की अटल विजय और सदाचार का प्रतीक है। भगवान श्रीराम और माता जानकी की कृपा से सभी के घरों और दिलों में प्रकाश फैले।"

इस दौरान अयोध्या ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी अपनी पहचान बनाई। सरयू नदी के किनारे 26 लाख से अधिक दीयों को जलाकर सबसे बड़ी सरयू आरती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और अयोध्या जिला प्रशासन ने सहयोग किया। दीयों को सही तरीके से गिनने और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए 30,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने दीपावली को जीवन में समृद्धि, खुशी और सकारात्मकता का पर्व बताया, जबकि अमित शाह ने सभी की स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। दीपावली पांच दिवसीय त्योहार है, जिसमें धनतेरस, नरक चतुर्दशी, मुख्य दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज शामिल हैं। इस दौरान लोग भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

हरियाणा सरकार का किसानों को दीपावली तोहफा

-गन्ने के दाम 15 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाए

हरियाणा (एजेंसी)। दीपावली हरियाणा के किसानों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बीते रविवार को गन्ने के दाम 15 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाने की घोषणा की। अब अगेती गन्ने की किस्म का मूल्य 400 रुपए से बढ़कर 415 रुपए प्रति क्विंटल और पछेती किस्म का मूल्य 393 रुपए से बढ़कर 408 रुपए प्रति क्विंटल हो गया है। सरकार के इस फैसले से लाखों गन्ना किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि उनकी सरकार किसानों, वंचितों, युवाओं और महिलाओं के कल्याण तथा समग्र विकास के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में विकास कार्य पहले से तीन गुना तेजी से हो रहे हैं और सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों को राज्य की नीतियों के केंद्र में रखा गया है। आज हरियाणा में सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 फसल सत्रों में 12 लाख किसानों के बैंक खातों में कुल 1,54,000 करोड़ रुपए की राशि सीधे डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से भेजी गई है। सैनी ने कहा कि सरकार ने किसानों और भूस्वामियों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए हरियाणा कृषि भूमि पट्टा विधेयक, 2024 लागू किया है, जो दोनों पक्षों को कानूनी सुरक्षा और स्पष्टता प्रदान करता है। इसके अलावा, नकली कृषि आदानों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए एक सख्त कानून भी पारित किया गया है। इस कानून के तहत नकली उर्वरक, बीज या कीटनाशक बनाने या बेचने वालों को पांच साल तक की सजा हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और राज्य को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। दीपावली से पहले यह फैसला किसानों के लिए राहत और उत्साह दोनों लेकर आया है।

दिल्ली की हवा फिर 'बेहद खराब', ग्रैप का दूसरा चरण लागू; सख्त निगरानी के निर्देश

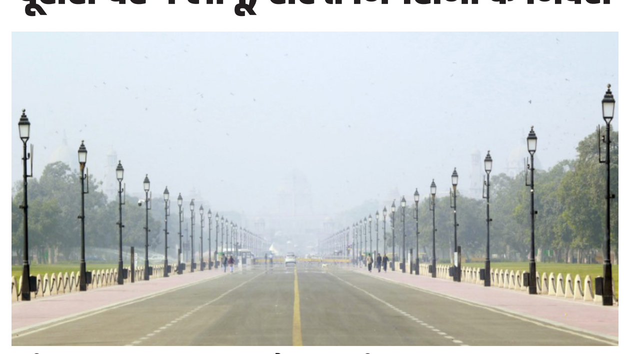

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ गया है। हवा की गुणवत्ता गिरने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) के स्टेज-2 को तुरंत लागू करने का फैसला लिया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) शुक्रवार शाम 6 बजे तक 296 रहा, जो 'खराब' श्रेणी में है। शाम 7 बजे तक यह बढ़कर 302 तक पहुंच गया, जिससे यह 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गया। विशेषज्ञों के मुताबिक, आने वाले दिनों में भी प्रदूषण का स्तर इसी श्रेणी (301-400) में बना रह सकता है। इस स्थिति की समीक्षा के लिए सीएक्यूएम की ग्रैप उप-समिति ने एक आपात बैठक बुलाई। इसमें भारतीय मौसम विभाग (IMD) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) के पूर्वानुमानों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि स्थानीय उत्सर्जन, स्थिर हवाएं और तापमान इनवर्जन जैसी स्थितियों के कारण प्रदूषण बढ़ने की संभावना है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए उप-समिति ने सर्वसम्मति से स्टेज-II के तहत 12 बिंदुओं पर आधारित एक कार्ययोजना लागू करने का निर्णय लिया। यह योजना पहले से लागू स्टेज-I उपायों को और सख्ती से आगे बढ़ाएगी। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) और एनसीआर के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को इस योजना के सख्त पालन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत प्रमुख सड़कों की नियमित यांत्रिक सफाई, पानी का छिड़काव, ट्रैफिक कॉरिडोर और प्रदूषण हॉटस्पॉट क्षेत्रों में सफाई और अपशिष्ट निपटान की व्यवस्था को और तेज किया जाएगा। निर्माण स्थलों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी ताकि धूल और अपशिष्ट नियंत्रण के नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। साथ ही, डीजल जनरेटर (DG) सेट के उपयोग को सीमित किया गया है। पहले से जारी आदेश के अनुसार, डीजल जनरेटर का उपयोग सिर्फ आपात सेवाओं, अस्पतालों, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों, सीवेज और जल पंपिंग स्टेशनों, राष्ट्रीय सुरक्षा परियोजनाओं और दूरसंचार केंद्रों में ही किया जा सकेगा। इसके अलावा, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की जाएगी। वहीं मीडिया चैनलों को प्रदूषण अलर्ट और जनता के लिए दिशा-निर्देश नियमित रूप से प्रसारित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने दी दीपावली की शुभकामनाएं

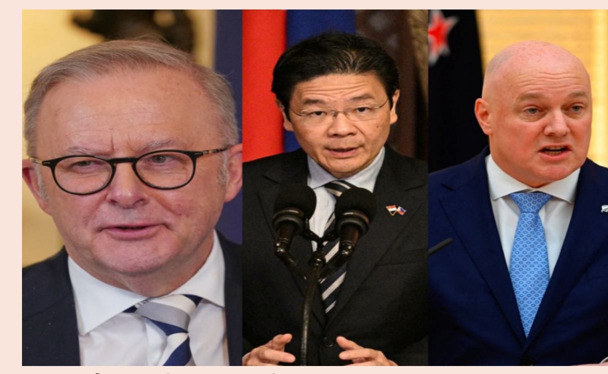

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में सोमवार को लाखों लोग दिवाली यानी रोशनी के त्योहार मना रहे हैं। इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और दिवाली के संदेश अंधकार पर प्रकाश की जीत, आशा पर जोर दिया। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने एक वीडियो संदेश में कहा, "मैं सभी को दिवाली की शुभकामनाएं देता हूं। इस रोशनी के पर्व के दौरान यह समय आपको उज्जवल भविष्य की आशा और खुशियों से भर दे।" ऑस्ट्रेलियाई हाई कमीशन ने भी भारत में एक जीवंत दिवाली समारोह आयोजित किया। समारोह में एंबेसी अधिकारी और आमंत्रित लोग पारंपरिक पोशाक पहनकर गीत और नृत्य में शामिल हुए।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने भी दिवाली की बधाई दी। उन्होंने कहा, "दिवाली का त्योहार अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। परिवार और मित्र इस अवसर को खुशी और सामंजस्य के साथ मनाते हैं।"

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दिवाली की शुभकामनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, "अंधकार पर प्रकाश, भय पर आशा। दिवाली के दौरान हम न केवल अपने घरों में रोशनी मनाते हैं, बल्कि इसके दिल में समाए अर्थ को भी याद करते हैं। सभी को उज्जवल और सार्थक दिवाली की शुभकामनाएं।" सिंगापुर में भारतीय समुदाय के लोग वीडियो में यह भी साझा करते नजर आए कि दिवाली उनके लिए नए आरंभ, परिवारिक मिलन, पटाखे, मिठाइयां और समृद्धि का त्योहार है। दिवाली पांच दिवसीय त्योहार है, जिसमें धनतेरस, नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली), मुख्य दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज शामिल हैं। इस दौरान लोग भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा कर सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं।

रेल भवन के वॉर रूम में अश्विनी वैष्णव ने की समीक्षा बैठक

- त्योहारों पर भीड़भाड़ वाले रूटों पर अतिरिक्त ट्रेनें चलाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली और छठ पर्व के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को रेल भवन स्थित वॉर रूम का दौरा किया और त्योहारी सीजन में यात्रा प्रबंधन की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों की चौबीसों घंटे सेवा भावना की सराहना की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी कि रेल मंत्री ने रेलवे बोर्ड के वॉर रूम में यात्रियों की आवाजाही की समीक्षा की और रेलवे के निरंतर कामकाज की प्रशंसा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भीड़भाड़ वाले रूटों पर अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जाएं ताकि हर यात्री को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने सुरक्षा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

रेल मंत्री ने कहा कि दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान लाखों लोग अपने घरों की ओर यात्रा करते हैं, इसलिए रेलवे को पूरी तत्परता से काम करना होगा। उन्होंने बताया कि इस बार यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए लगभग 12,000 अतिरिक्त ट्रेन सेवाएं चलाई जा रही हैं। इसके अलावा, प्रत्येक प्रमुख रेलवे स्टेशन पर नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) स्थापित किए गए हैं, जो ट्रेनों की आवाजाही, प्लेटफॉर्म आवंटन और प्रस्थान की मंजूरी पर त्वरित निर्णय ले रहे हैं, ताकि किसी भी स्थान पर भीड़ जमा न हो।

इससे पहले रविवार को अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल का भी निरीक्षण किया था। उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, टिकट व्यवस्था, स्वच्छता और सुरक्षा की स्थिति का जायजा लिया और यात्रियों से बातचीत कर उनके सुझाव सुने। रेल मंत्री ने सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भीड़भाड़ और कुप्रबंधन की अफवाहों को खारिज करते हुए जनता और विपक्षी दलों से अपील की कि वे गलत सूचनाएं न फैलाएं। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे ने बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए व्यापक तैयारी की है। इसके तहत अतिरिक्त ट्रेनें, बेहतर भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा उपाय और निगरानी तंत्र लागू किए गए हैं। रेल मंत्री ने देशभर में 24 घंटे काम कर रहे 12 लाख रेलवे कर्मचारियों को भी धन्यवाद दिया और उनके समर्पण की प्रशंसा की।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि हर यात्री अपने घर तक सुरक्षित और आरामदायक तरीके से पहुंचे। रेलवे परिवार के सभी कर्मचारी इस लक्ष्य के लिए लगातार काम कर रहे हैं।"

केंद्र सरकार ने कर्नाटक और महाराष्ट्र आपदा राहत के लिए 1,950.80 करोड़ रुपए की सहायता राशि की दी मंजूरी

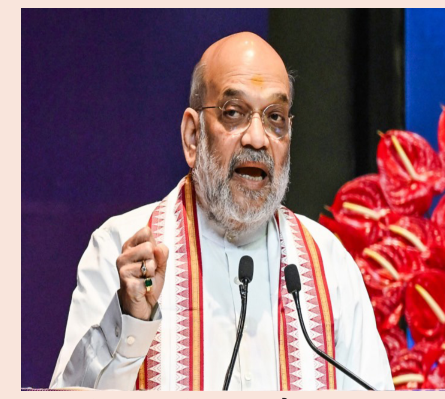

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने कर्नाटक और महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए 1,950.80 करोड़ रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस राशि को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) के केंद्रीय हिस्से की दूसरी किस्त के रूप में अग्रिम रूप से जारी करने की मंजूरी दी। कुल राशि में से कर्नाटक को 384.40 करोड़ रुपए और महाराष्ट्र को 1,566.40 करोड़ रुपए दिए जाएंगे ताकि इन राज्यों में राहत और पुनर्वास कार्य तेजी से किए जा सकें। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि मोदी सरकार आपदा की स्थिति में हमेशा जनता के साथ खड़ी रहती है। इस राशि का उपयोग मानसून के दौरान भारी वर्षा और बाढ़ से प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने में किया जाएगा।

इस वर्ष केंद्र सरकार ने आपदा राहत के लिए कई राज्यों को बड़ी राशि जारी की है। वर्ष 2025-26 के दौरान एसडीआरएफ के तहत 27 राज्यों को 13,603.20 करोड़ रुपए और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत 15 राज्यों को 2,189.28 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसके अलावा, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (एसडीएमएफ) से 21 राज्यों को 4,571.30 करोड़ रुपए और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (एनडीएमएफ) से नौ राज्यों को 372.09 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। केंद्र सरकार ने बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित सभी राज्यों को एनडीआरएफ टीमों, सेना और वायु सेना की मदद से राहत और बचाव कार्यों के लिए आवश्यक सहायता भी उपलब्ध कराई है। इस मानसून सीजन में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एनडीआरएफ की 199 टीमों की तैनाती की गई थी। हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसी) ने 2024 के दौरान बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित असम और गुजरात को 707.97 करोड़ रुपए की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी थी। इसमें असम के लिए 313.69 करोड़ रुपए और गुजरात के लिए 394.28 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए। इसके साथ ही हरियाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान को अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए 903.67 करोड़ रुपए की सहायता भी दी गई है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

राजस्थान के हाइवे हादसों की मुख्य वजह: नियमों की अनदेखी और अवैध गतिविधियां

राजस्थान के राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहनों के लगातार बढ़ते आवागमन और होटल-ढाबों की बढ़ती संख्या के बीच सड़क सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा बनता जा रहा है। हाल ही में जयपुर-अजमेर हाइवे पर हुए हादसे ने फिर एक बार यह सच उजागर कर दिया कि हादसों की बड़ी वजह नियम-कायदों की अनदेखी है। देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह समस्या आम है, जहां चाहे ज्वलनशील पदार्थों का परिवहन हो या सार्वजनिक परिवहन की बसें, कानून-कायदे अक्सर नजरअंदाज किए जाते हैं। यह अनदेखी कभी-कभी जानलेवा साबित होती है और सड़कें हादसों के लिए तैयार होती हैं। जांच कमेटी की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि जयपुर-अजमेर हाइवे पर हुए हादसे की मुख्य वजह होटल संचालक द्वारा की गई अवैध पार्किंग थी। नियमों के अनुसार हाइवे की मीडियन से 45 मीटर तक दोनों ओर किसी भी प्रकार की पार्किंग नहीं की जा सकती, लेकिन इस नियम की अवहेलना आम बात बन चुकी है। इस तरह की लापरवाही न केवल सड़क पर यातायात को प्रभावित करती है, बल्कि गंभीर दुर्घटनाओं का कारण भी बनती है। कई बार हादसों के पीछे केवल अवैध पार्किंग ही नहीं, बल्कि हाइवे पर बिना अनुमति खोले गए रोड कट भी जिम्मेदार होते हैं। यह रोड कट अक्सर सड़क पर असमानता पैदा करते हैं और वाहन चालकों के लिए खतरा बन जाते हैं। राजस्थान में बने एक्सप्रेस हाइवे को छोड़ दें तो अधिकांश राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह नियम व्यावहारिक रूप से लागू नहीं होते। सड़क किनारे होटल और ढाबे बिना किसी नियंत्रण के खुले हुए हैं। यहां ना तो पार्किंग की सही व्यवस्था होती है और ना ही सुरक्षित प्रवेश-निकास के लिए उचित प्रावधान। इसके परिणामस्वरूप बड़े वाहन जैसे ट्रक और बसें सड़क पर दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बन जाती हैं। जब वाहन चालक सड़क पर सही मार्ग नहीं पाते और अचानक बाधाओं का सामना करते हैं, तब नियंत्रण खोने की स्थिति पैदा होती है और हादसा अपरिहार्य हो जाता है। सड़क सुरक्षा के नियम स्पष्ट हैं, लेकिन उनका पालन कराने के लिए जिम्मेदार संस्थाएं और अधिकारी अक्सर निष्क्रिय रहते हैं। कभी-कभी यह लापरवाही जानबूझकर होती है और कभी प्रशासनिक कमी के कारण। जैसे-जैसे राजमार्गों पर ट्रैफिक की संख्या बढ़ रही है, वैसे-वैसे हादसों का जोखिम भी बढ़ रहा है। अवैध पार्किंग, बिना अनुमति रोड कट और अनियंत्रित ढाबे सिर्फ सड़क की सुंदरता या सुविधा को प्रभावित नहीं करते, बल्कि यह सीधे जीवन और जनहानि से जुड़ा मामला बन गया है। सड़कों पर नियमों की अवहेलना का सबसे बड़ा नुकसान आम जनता को होता है। वाहन चालक और यात्री दोनों ही इस लापरवाही के शिकार होते हैं। कभी कोई भारी ट्रक या बस दुर्घटना का कारण बनता है तो कभी छोटी कारें और दोपहिया वाहन।

संतुलन की ज़रूरत: सरकार और आरबीआई को उठाने होंगे ठोस कदम

-सोने-चांदी की बढ़ती चमक में छिपी आर्थिक चिंता

भारत में सोना और चांदी केवल धातु नहीं हैं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और सुरक्षा की प्रतीक मानी जाती हैं। जब अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता बढ़ती है या मुद्रा का भरोसा कमज़ोर पड़ता है, तब आम जनता का रुझान स्वाभाविक रूप से इन बहुमूल्य धातुओं की तरफ़ बढ़ जाता है। यही रुझान आज भारतीय अर्थव्यवस्था की गहराई में छिपी चिंता का संकेत दे रहा है। इस तेज़ उछाल के पीछे केवल वैश्विक मांग या बाज़ार की सट्टेबाज़ी नहीं है, बल्कि यह भारत की आंतरिक आर्थिक अस्थिरता, बढ़ती आयात निर्भरता, और घटते निवेश विश्वास की कहानी भी बयां करता है। रुपया लगातार गिर रहा है — 87.67 प्रति डॉलर के स्तर तक पहुँच जाना यह दिखाता है कि विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। कमजोर रुपया न केवल आयात को महंगा करता है, बल्कि मुद्रास्फीति यानी महंगाई की आग को और भड़काता है।

सोने की बढ़ती कीमतें: अर्थव्यवस्था की 'सुरक्षा प्रवृत्ति' का संकेत

जब जनता को लगता है कि रुपया या शेयर बाज़ार स्थिर नहीं हैं, तब वे सोना खरीदने को सबसे सुरक्षित विकल्प मानती है। यही कारण है कि आर्थिक अस्थिरता के समय सोने की मांग हमेशा बढ़ती है। इस प्रवृत्ति को अर्थशास्त्र में "सेफ हेवन इन्वेस्टमेंट (Safe Haven Investment)" कहा जाता है। यह उस मानसिकता को दर्शाता है जिसमें निवेशक जोखिम से बचने के लिए अपनी पूंजी को सुरक्षित संपत्तियों — जैसे सोना, चांदी, डॉलर या सरकारी बॉन्ड में स्थानांतरित कर देते हैं। भारत में, जहां परंपरागत रूप से सोना "समृद्धि और सुरक्षा" का प्रतीक माना जाता है, यह प्रवृत्ति और गहरी है। गाँवों से लेकर शहरों तक, जब भी मंदी या राजनीतिक अस्थिरता का माहौल बनता है, लोग बैंक या शेयर बाज़ार से पैसा निकालकर गहनों या बिस्कुट (बार) के रूप में सोना ख़रीदने लगते हैं।

कमजोर रुपया और महंगा आयात: दोहरी मार

रुपए का गिरना किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी का संकेत होता है।

जब रुपया डॉलर के मुकाबले कमज़ोर होता है, तो आयातित वस्तुएं — जैसे कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, और यहां तक कि सोना भी — महंगे हो जाते हैं। भारत की स्थिति यह है कि हम अपनी ज़रूरत का 85% से अधिक तेल आयात करते हैं। इसी तरह सोना भी पूरी तरह से आयात-निर्भर वस्तु है। जब डॉलर महंगा होता है, तो इन वस्तुओं की कीमत अपने आप बढ़ जाती है। महंगा आयात दो दिशाओं में अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है: उपभोक्ता स्तर पर महंगाई बढ़ती है। उद्योगों की लागत बढ़ती है, जिससे उत्पादन और निर्यात पर असर पड़ता है। इसी कारण से कमजोर रुपया और महंगे आयात मिलकर मुद्रास्फीति और व्यापार घाटे दोनों को बढ़ाते हैं।

पूंजी का प्रवाह बदलना: निवेश से तिजोरी तक

जब वित्तीय बाजारों में अस्थिरता होती है या ब्याज दरों में लगातार बदलाव होता है, तब आम निवेशक सुरक्षित विकल्प खोजता है। इस समय भारत में यही हो रहा है — शेयर बाज़ार में उतार-चढ़ाव, रियल एस्टेट की मंदी, और सरकारी बांडों पर सीमित ब्याज दरों के कारण लोगों ने अपनी पूंजी को सोने-चांदी में निवेश करना शुरू कर दिया है। यह प्रवृत्ति अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है, क्योंकि इससे उत्पादक निवेश (Productive Investment) की गति रुक जाती है। जो पैसा कारखानों, टेक्नोलॉजी, या स्टार्टअप्स में जाना चाहिए था, वह तिजोरियों में बंद हो जाता है। इससे दो बड़े नुकसान होते हैं: रोज़गार में कमी आती है। औद्योगिक विकास की गति धीमी पड़ती है।

आरबीआई की चुनौती: मुद्रास्फीति बनाम विकास दर

रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) का सबसे बड़ा काम आर्थिक संतुलन बनाए रखना है। इसके लिए उसे ब्याज दरें तय करनी होती हैं — ताकि एक तरफ़ महंगाई पर नियंत्रण रहे, और दूसरी तरफ़ विकास दर पर भी असर न पड़े। मगर पिछले कुछ वर्षों में यह संतुलन कठिन होता जा रहा है। ब्याज दरें बढ़ाने से महंगाई पर रोक लगाई जा सकती है, लेकिन साथ ही निवेश और उपभोग घट जाता है। ब्याज दरें घटाने से बाज़ार में पैसा बढ़ता है, लेकिन इससे महंगाई और तेज़ हो जाती है। सोने की कीमतों का तेज़ बढ़ना यह संकेत है कि जनता को रुपया और बैंकिंग सिस्टम पर भरोसा कम हो रहा है। यह स्थिति आरबीआई के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि जब तक निवेशक का भरोसा नहीं लौटेगा, तब तक पूंजी बाज़ार में प्रवाह नहीं बढ़ेगा।

वैश्विक कारण: डॉलर की मज़बूती और भू-राजनीतिक अस्थिरता

सोना और चांदी की कीमतों पर केवल घरेलू नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का भी गहरा असर पड़ता है। अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी से डॉलर मज़बूत होता है, और दुनिया के उभरते बाज़ारों (जैसे भारत) से पूंजी निकलने लगती है। मध्य-पूर्व और यूक्रेन युद्ध, तेल के दामों में उतार-चढ़ाव, चीन की आर्थिक मंदी, और अमेरिकी चुनावों की अनिश्चितता जैसी स्थितियाँ निवेशकों को सुरक्षा की ओर मोड़ देती हैं — यानी सोने की तरफ़। भारत जैसे देश, जो आयात पर निर्भर हैं, इस वैश्विक उथल-पुथल का खामियाज़ा भुगतते हैं।

भारत की आर्थिक संरचना: बचत प्रधान लेकिन निवेश कम

भारत को हमेशा से "बचत प्रधान समाज" कहा गया है। घरों में बचत का बड़ा हिस्सा नकद, सोना या ज़मीन के रूप में रखा जाता है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में घरेलू बचत दर 30% से अधिक है, लेकिन इसका बड़ा भाग औपचारिक निवेश प्रणाली में नहीं जाता। यानी जो पैसा बैंक या शेयर बाज़ार में आना चाहिए, वह गहनों या बिस्कुट के रूप में निष्क्रिय रहता है। इससे देश की पूंजी सृजन (Capital Formation) की प्रक्रिया प्रभावित होती है। सरकार को यह समझना होगा कि केवल "डिजिटल इंडिया" या "मेक इन इंडिया" से निवेश नहीं बढ़ेगा, जब तक कि लोगों को सुरक्षित और आकर्षक विकल्प न दिए जाएँ।

सरकार और आरबीआई को क्या कदम उठाने चाहिए

अब ज़रूरत है ठोस और संतुलित नीति कदमों की — ताकि सोने-चांदी में बढ़ता निवेश वापस उत्पादन और विकास में लगाया जा सके।

रुपये को स्थिर करने की नीति

आरबीआई को विदेशी मुद्रा भंडार का विवेकपूर्ण उपयोग करते हुए रुपये को स्थिर रखने की दिशा में काम करना चाहिए। आयात पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए। निर्यातकों को प्रोत्साहन देकर व्यापार घाटे को घटाया जाए।

ब्याज दरों में संतुलन

आरबीआई को ब्याज दरें इस तरह निर्धारित करनी चाहिए कि महंगाई भी नियंत्रित रहे और निवेशक का विश्वास भी बना रहे। यदि ब्याज दरें बहुत ऊंची होंगी, तो उद्योग धीमे होंगे। यदि बहुत कम होंगी, तो महंगाई बढ़ेगी।

स्वर्ण बांड योजना (Gold Bond Scheme) को लोकप्रिय बनाना

सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड जैसी योजनाएं शुरू की थीं, जिनमें निवेशक कागज़ी रूप में सोने में निवेश कर सकते हैं। लेकिन इन योजनाओं का प्रचार पर्याप्त नहीं है। सरकार को चाहिए कि इन स्कीमों को टैक्स छूट, आसान प्रक्रिया, और लंबी अवधि की सुरक्षा के साथ दोबारा जीवंत करे।

निवेश शिक्षा और जागरूकता

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में वित्तीय साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग सोना खरीदने के बजाय म्यूचुअल फंड, सरकारी बॉन्ड या उत्पादक निवेश को समझ सकें।

सोने के आयात पर संतुलित नीति

अत्यधिक आयात पर प्रतिबंध लगाने के बजाय, सरकार को पुनर्चक्रण (recycling) और घरेलू सोना भंडारण नीतियों पर काम करना चाहिए। भारत में हर साल लगभग 800-900 टन सोना आयात होता है — इसका एक बड़ा हिस्सा घरेलू गहनों से वापस लाया जा सकता है। भरोसा किसी भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। अगर निवेशक को यह विश्वास हो कि बाज़ार स्थिर है, नीतियां पारदर्शी हैं और सरकार दीर्घकालिक सोच रखती है। तो पूंजी स्वाभाविक रूप से उत्पादन क्षेत्र की ओर जाएगी।

"ग्रामीण विकास की नई कहानी: जल संरक्षण से समृद्धि की ओर"

-जल की हर बूंद सहेजने का संकल्प लेकर, मिशन अमृत सरोवर से गांवों में जागी नई चेतना

भारत एक कृषि प्रधान देश है और ग्रामीण भारत इसकी रीढ़। लेकिन बढ़ती जल समस्या ने ग्रामीण जीवन की बुनियाद को झकझोर कर रख दिया है। जल संकट ने खेती, पशुपालन और रोज़मर्रा की ज़िंदगी को प्रभावित किया है। ऐसे में यदि हम समय रहते नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी एक दुर्लभ संसाधन बन जाएगा। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने "मिशन अमृत सरोवर" की शुरुआत की है, जो ग्रामीण इलाकों में जल संरक्षण के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी पहल साबित हो रही है।

जल संकट की पृष्ठभूमि

पिछले कुछ दशकों में अनियंत्रित दोहन, वर्षा पर निर्भरता, भूजल स्तर में गिरावट और जल संसाधनों की अनदेखी के कारण भारत के अनेक ग्रामीण क्षेत्र गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। जल की कमी से किसानों को खेती छोड़नी पड़ी है, जानवर प्यासे मर रहे हैं और महिलाएं घंटों पैदल चलकर पानी लाने को मजबूर हैं। भारत के कई राज्य जैसे राजस्थान, महाराष्ट्र, बुंदेलखंड (उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश) और तमिलनाडु के कुछ हिस्से जल संकट की चपेट में हैं। यह संकट सिर्फ वर्तमान की समस्या नहीं है, बल्कि आने वाले कल को अंधकारमय बना सकता है, अगर हमने आज जल संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए।

जल संरक्षण: क्यों है जरूरी?

खेती की आत्मनिर्भरता के लिए: 60% से ज़्यादा खेती वर्षा पर निर्भर है। जल स्रोतों के सूखने से उत्पादन प्रभावित होता है। पीने के पानी की उपलब्धता: ग्रामीण क्षेत्रों में ट्यूबवेल और कुएं ही मुख्य स्रोत हैं। भूजल के गिरते स्तर से पीने का पानी दुर्लभ होता जा रहा है। पर्यावरण संतुलन के लिए: झील, तालाब और नदी जैसे जल स्रोत न केवल जीवनदायिनी हैं, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी संबल देते हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए: स्वच्छ जल की कमी से बीमारियों का खतरा बढ़ता है।

मिशन अमृत सरोवर: एक परिचय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर "मिशन अमृत सरोवर" की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य हर जिले में 75 "अमृत सरोवर" (तालाबों) का निर्माण या पुनरुद्धार करना है,

ताकि जल संचयन को बढ़ावा दिया जा सके।

मुख्य लक्ष्य:

हर जिले में कम से कम 75 जलाशयों का निर्माण/पुनरुद्धार।

प्रत्येक सरोवर का आकार कम से कम एक एकड़ और जलगहराई कम से कम 10 फीट हो।

वर्ष 2023 तक 50,000 अमृत सरोवरों का निर्माण।

साझेदारी में काम करने वाले विभाग:

ग्रामीण विकास मंत्रालय

जल शक्ति मंत्रालय

पर्यावरण मंत्रालय

पंचायती राज मंत्रालय

स्थानीय प्रशासन

मिशन अमृत सरोवर के तहत हो रहे बदलाव

पुराने तालाबों का पुनर्जीवन

कई गांवों में दशकों से सूखे पड़े तालाब अब फिर से लबालब नज़र आ रहे हैं। उन्हें गहराई देकर, किनारों की मरम्मत कर और वर्षा जल को संरक्षित करने की तकनीकों से इन्हें नया जीवन मिला है।

नए जलाशयों का निर्माण

जहां जल संरक्षण के कोई स्रोत नहीं थे, वहां नए अमृत सरोवर बनाए गए। इससे न केवल जल संग्रहण संभव हुआ, बल्कि ग्रामीणों को मनरेगा के तहत रोजगार भी मिला।

सामुदायिक भागीदारी

गांव के लोगों को इस मिशन में भागीदार बनाया गया है। पंचायतें, स्वयं सहायता समूह और ग्रामीण युवा मिलकर इन सरोवरों का निर्माण कर रहे हैं। यह लोगों में स्वामित्व की भावना जगाता है।

स्थायी संरक्षण तंत्र

कई जगहों पर वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, चेक डैम्स, पेड़-पौधे लगाकर जल स्तर बनाए रखने के उपाय किए गए हैं। इनसे जल का बहाव रोका जाता है और मिट्टी का कटाव भी कम होता है।

ग्रामीण विकास में अमृत सरोवर की भूमिका

कृषि को मिला संबल

अमृत सरोवरों ने खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाया है। अब किसान दो या तीन फसलें उगा रहे हैं। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

मवेशियों को राहत

पशुओं के लिए पीने के पानी की उपलब्धता बढ़ी है। पहले जहां गर्मियों में पानी के लिए मारामारी होती थी, अब तालाबों के चलते यह संकट कम हुआ है।

रोजगार के अवसर

मनरेगा के माध्यम से इन सरोवरों के निर्माण में हज़ारों लोगों को रोजगार मिला है। इससे कोरोना काल के बाद ग्रामीण इलाकों में आर्थिक संबल मिला।

जैव विविधता और हरियाली

सरोवरों के आसपास की हरियाली लौटी है। पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगी है। स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत हो रहा है।

पर्यटन की संभावनाएं

कुछ अमृत सरोवरों को सुंदर पार्कों, बैठने की जगहों और रोशनी से सजाया गया है, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिला है।

प्रेरणादायक उदाहरण

उत्तर प्रदेश: अमेठी जिले का 'जल क्रांति'

अमेठी में 100 से अधिक अमृत सरोवर बनाए गए हैं। यहां के गांवों में अब गर्मी में भी जल संकट नहीं होता। महिलाओं को अब 2-3 किमी चलकर पानी नहीं लाना पड़ता।

राजस्थान: नागौर जिले में सूखा बना मिसाल

राजस्थान के नागौर जिले में सूखा और जल संकट आम बात थी। लेकिन मिशन अमृत सरोवर के तहत 75 से ज़्यादा जलाशयों के निर्माण से अब खेत हरे-भरे हैं और जल स्तर स्थिर है।

महाराष्ट्र: विदर्भ में हरियाली लौटी

विदर्भ के वर्धा जिले में अमृत सरोवरों की बदौलत गांवों में तालाब फिर से भरने लगे हैं। इससे आत्महत्या की कगार पर पहुंचे किसान अब फिर से खेती में लौट रहे हैं।

भविष्य की दिशा: जल संरक्षण में ग्रामीण नेतृत्व

मिशन अमृत सरोवर ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि नीयत और नीति साफ हो, तो गांवों को जल संकट से उबारा जा सकता है। अब जरूरी है कि: हर गांव में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाया जाए। स्कूलों और पंचायत भवनों में जल संरक्षण की शिक्षा दी जाए। जल उपयोग में अनुशासन और सीमितता लाई जाए। अमृत सरोवरों की नियमित देखभाल के लिए ग्राम समितियों को प्रशिक्षित किया जाए।

"जल है तो जीवन है" केवल एक नारा नहीं, बल्कि भविष्य की सच्चाई है। अगर आज हम जल की हर बूंद को सहेजने का संकल्प लें, तो हमारी अगली पीढ़ी एक सुरक्षित और समृद्ध भारत में सांस ले सकेगी। मिशन अमृत सरोवर न केवल एक सरकारी योजना है, बल्कि यह गांव-गांव में जल जागरूकता की अलख जगाने वाला एक जन आंदोलन है। आइए, हम सब मिलकर इस पहल को सफल बनाएं और अपने गांवों को जल संकट से मुक्त करें।

"तात्या टोपे के साथी मीर मिर्ज़ा ख़ान: 1857 की क्रांति के गुमनाम सिपाही"

-"मीर मिर्ज़ा ख़ान: रानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे के साथ लड़ने वाला भूला हुआ वीर"

भारत की आज़ादी की पहली जंग 1857 में लड़ी गई थी। इस जंग ने पूरे हिंदुस्तान में आज़ादी की लहर पैदा कर दी थी। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक, हर शहर और गांव में अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ बग़ावत की आवाज़ गूंज उठी थी। इस जंग में जहां रानी लक्ष्मीबाई, नाना साहेब, तात्या टोपे, बेगम हज़रत महल, मंगल पांडे जैसे नाम अमर हो गए, वहीं कई ऐसे सिपाही और सेनानी भी थे जिनकी कुर्बानियां इतिहास के पन्नों में दबकर रह गईं। उन्हीं में से एक नाम है मीर मिर्ज़ा ख़ान का — जो तात्या टोपे के वफ़ादार साथी और रानी लक्ष्मीबाई के हमसफ़र सिपाही थे। मीर मिर्ज़ा ख़ान ने 1857 की क्रांति में अपनी बहादुरी, सूझबूझ और देशभक्ति का जो परिचय दिया, वह किसी भी महान सेनानी से कम नहीं था। उन्होंने न केवल तात्या टोपे के साथ मिलकर अंग्रेज़ों के खिलाफ मोर्चा संभाला, बल्कि ग्वालियर की लड़ाई में अपनी आख़िरी सांस तक मुल्क की आज़ादी के लिए जंग लड़ी।

मीर मिर्ज़ा ख़ान का प्रारंभिक जीवन

मीर मिर्ज़ा ख़ान का जन्म 19वीं सदी की शुरुआत में मध्य भारत के किसी रजवाड़ी या फ़ौजी परिवार में हुआ माना जाता है। उनके पूर्वज मुग़ल सल्तनत और मराठा शासनकाल में फ़ौजदारी सेवाओं में थे। बचपन से ही मीर मिर्ज़ा ख़ान में घुड़सवारी, निशानेबाज़ी और तलवारबाज़ी का गहरा शौक़ था। उन्होंने युद्धकला की ट्रेनिंग स्थानीय दरबारों में ली और अपनी बहादुरी से कम उम्र में ही मशहूर हो गए। 1850 के दशक में जब अंग्रेज़ों ने भारतीय रियासतों पर कब्ज़ा जमाना शुरू किया और "डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स" जैसी नीति के तहत कई राजाओं की गद्दियां छीन लीं, तब मीर मिर्ज़ा ख़ान भी इस अन्याय के ख़िलाफ़ भड़क उठे। वे समझ चुके थे कि अंग्रेज़ी राज का मक़सद सिर्फ़ लूट और गुलामी थोपना है। इसी सोच ने उन्हें उन क्रांतिकारियों के क़रीब ला दिया जो अंग्रेज़ों के खिलाफ संगठित लड़ाई की तैयारी कर रहे थे।

तात्या टोपे और मीर मिर्ज़ा ख़ान की मुलाक़ात

1857 की क्रांति से पहले तात्या टोपे यानी रामचंद्र पांडुरंग टोपे, पेशवा नाना साहेब के भरोसेमंद सिपहसालार थे। जब कानपुर में नाना साहेब ने अंग्रेज़ों के खिलाफ बग़ावत छेड़ी, तो तात्या टोपे उनकी सेना के मुखिया बन गए। इस दौरान तात्या टोपे की मुलाक़ात मीर मिर्ज़ा ख़ान से हुई, जो पहले से ही फ़ौज में एक दक्ष योद्धा और रणनीतिकार के रूप में जाने जाते थे। मीर मिर्ज़ा ख़ान ने तात्या टोपे की योजनाओं में भाग लिया और कानपुर, कालपी और झांसी के मोर्चों पर अंग्रेज़ों के खिलाफ़ कई अभियानों में शामिल हुए। दोनों के बीच भरोसा और भाईचारे का रिश्ता बन गया। तात्या टोपे अक्सर कहा करते थे — "मिर्ज़ा ख़ान वो साथी हैं जो आख़िरी दम तक मुल्क के लिए खड़े रहेंगे।"

झांसी की रानी और मीर मिर्ज़ा ख़ान

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का नाम 1857 की क्रांति के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया है। जब अंग्रेज़ों ने झांसी पर कब्ज़ा करने की कोशिश की, तो रानी ने 'मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी' कहते हुए युद्ध का बिगुल बजा दिया। इसी संघर्ष में मीर मिर्ज़ा ख़ान तात्या टोपे के साथ रानी के सहयोगी बने। तात्या टोपे ने झांसी की मदद के लिए सेना भेजी थी, जिसका एक हिस्सा मीर मिर्ज़ा ख़ान की कमान में था। उन्होंने झांसी की दीवारों पर अंग्रेज़ों के तोपख़ाने का जमकर मुक़ाबला किया। झांसी के चारों तरफ़ अंग्रेज़ी सेना ने घेरा डाल दिया था, लेकिन मीर मिर्ज़ा ख़ान और उनके साथियों ने तोपों और तलवारों के बीच ऐसी बहादुरी दिखाई कि दुश्मन भी दंग रह गए। जब रानी लक्ष्मीबाई झांसी से कालपी और फिर ग्वालियर की ओर बढ़ीं, तो मीर मिर्ज़ा ख़ान भी उनके साथ थे। वे रानी की घुड़सवार टुकड़ी के साथ कई बार अंग्रेज़ों पर धावा बोल चुके थे।

ग्वालियर की निर्णायक लड़ाई

1858 में जब अंग्रेज़ों ने झांसी पर क़ब्ज़ा कर लिया, तो रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे और मीर मिर्ज़ा ख़ान ने ग्वालियर की ओर रुख़ किया। उस वक़्त ग्वालियर सिंधिया के अधीन था, जो अंग्रेज़ों का समर्थक बन चुका था। तात्या टोपे और रानी ने ग्वालियर को अंग्रेज़ों से छीनने की योजना बनाई। ग्वालियर की फ़ौज का नेतृत्व मीर मिर्ज़ा ख़ान को सौंपा गया। उन्होंने रणनीतिक रूप से किले के आसपास के इलाक़ों पर क़ब्ज़ा किया और स्थानीय सिपाहियों को बग़ावत के लिए तैयार किया। कुछ दिनों में ग्वालियर का क़िला आज़ाद हो गया और वहां रानी लक्ष्मीबाई ने स्वतंत्र भारत का झंडा फहरा दिया। लेकिन यह जीत ज़्यादा दिन टिक नहीं सकी। अंग्रेज़ों ने पुनः बड़ी सेना भेजी। सर ह्यू रोज़ की कमान में अंग्रेज़ी फ़ौज ने ग्वालियर पर हमला कर दिया। मीर मिर्ज़ा ख़ान ने अपनी टुकड़ी के साथ मोर्चा संभाला। उन्होंने न केवल तोपख़ाने की देखरेख की बल्कि खुद तलवार लेकर मैदान में उतर पड़े। ग्वालियर की धरती पर भयंकर युद्ध हुआ। मीर मिर्ज़ा ख़ान और रानी लक्ष्मीबाई ने साथ मिलकर अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ अद्‌त साहस दिखाया। रानी ने तो खुद घोड़े पर सवार होकर अंग्रेज़ी टुकड़ी पर धावा बोला और वीरगति को प्राप्त हुईं। मीर मिर्ज़ा ख़ान उस वक़्त रानी के बहुत क़रीब थे। उन्होंने रानी की शहादत के बाद भी मोर्चा नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने साथियों को आदेश दिया — "रानी की शहादत बेकार नहीं जाएगी, हम आख़िरी सांस तक लड़ेंगे।"

शहादत और विरासत

ग्वालियर की लड़ाई के दौरान मीर मिर्ज़ा ख़ान गंभीर रूप से घायल हो गए। लेकिन उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। कई अंग्रेज़ सैनिकों को मार गिराने के बाद वे धरती पर गिर पड़े। कहते हैं कि उनकी आख़िरी आवाज़ थी — "यह मिट्टी हमारी है, इसे कोई गुलाम नहीं बना सकता।" मीर मिर्ज़ा ख़ान वहीं शहीद हो गए। उनके शव को अंग्रेज़ों ने पहचान से मिटाने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों ने उनकी याद में गुपचुप तरीक़े से दफ़न कर दिया। उनकी कब्र आज भी ग्वालियर के आसपास के इलाक़ों में कुछ स्थानों पर याद की जाती है, हालांकि इतिहास की किताबों में उनका नाम बहुत कम मिलता है। अंग्रेज़ों ने उनके नाम और उनके परिवार के निशान मिटाने की कोशिश की ताकि उनकी बहादुरी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित न कर सके।

मीर मिर्ज़ा ख़ान का योगदान

मीर मिर्ज़ा ख़ान सिर्फ़ एक योद्धा नहीं थे, बल्कि एक सच्चे रणनीतिकार और देशभक्त भी थे। उनके योगदान को समझने के लिए हमें 1857 की क्रांति की व्यापक तस्वीर को देखना होगा।

तात्या टोपे के सैन्य सलाहकार: उन्होंने तात्या टोपे के कई अभियानों में मार्गदर्शन दिया। वे गुरिल्ला युद्ध की रणनीति में माहिर थे और दुश्मन की सप्लाई लाइन काटने में माहिर थे।

झांसी की रक्षा में भूमिका: रानी लक्ष्मीबाई की सेना में उन्होंने तोपख़ाना और घुड़सवार दस्ते का नेतृत्व किया। अंग्रेज़ों के बारूद और तोपों का मुकाबला उन्होंने सीमित संसाधनों से किया।

ग्वालियर का स्वतंत्र झंडा फहराना: ग्वालियर में रानी और तात्या टोपे के साथ मिलकर उन्होंने स्वतंत्रता का झंडा फहराया। यह ब्रिटिश शासन के खिलाफ़ प्रतीकात्मक और ऐतिहासिक जीत थी।

अंतिम क्षण तक संघर्ष: जब बाकी सैनिक पीछे हटने लगे, तब भी मीर मिर्ज़ा ख़ान मैदान में डटे रहे। उनकी शहादत भारतीय सैनिकों के लिए प्रेरणा बन गई।

मीर मिर्ज़ा ख़ान और धार्मिक एकता का प्रतीक

1857 की क्रांति को अक्सर हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक कहा जाता है। मीर मिर्ज़ा ख़ान इस एकता के जीवंत उदाहरण थे। उन्होंने तात्या टोपे और रानी लक्ष्मीबाई जैसे हिन्द नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी। उस वक़्त का नारा था — "हम हैं एक, न हिंदू न मुसलमान — बस हिन्दुस्तानी।" मीर मिर्ज़ा ख़ान की मौजूदगी यह साबित करती है कि आज़ादी की जंग किसी धर्म या जाति की नहीं थी, बल्कि यह इंसान की आज़ादी की जंग थी।

न्हावा शेवा बंदरगाह पर DRI की बड़ी कार्रवाई

- 4.82 करोड़ के तस्करी के पटाखे जब्त, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने "ऑपरेशन फायर ट्रेल" के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चीन से आयात किए गए ₹4.82 करोड़ मूल्य के अवैध पटाखे जब्त किए हैं। यह खेप न्हावा शेवा बंदरगाह पर पकड़ी गई, जहां 40 फुट लंबे एक कंटेनर में कपड़ों की आड़ में 46,640 तस्करी के पटाखे/विस्फोटक छिपाए गए थे।

कपड़ों की आड़ में छिपाई थी विस्फोटक खेप

डीआरआई अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि चीन से आए एक कंटेनर में कपड़ों ("लेगिंग्स") के नाम पर कोई संदिग्ध माल भेजा गया है। जब कंटेनर की विस्तृत जांच की गई तो सामने आया कि कपड़ों की ऊपरी परत के पीछे भारी मात्रा में खतरनाक पटाखे और विस्फोटक छिपाए गए हैं।

अधिकारियों ने पूरी खेप को जब्त कर लिया, जिसकी अनुमानित कीमत ₹4.82 करोड़ आंकी गई है।

गुजरात से एक प्रमुख आरोपी गिरफ्तार

तलाशी और जांच के दौरान अधिकारियों को ऐसे दस्तावेज़ भी मिले जिनसे तस्करी गिरोह की कार्यप्रणाली का खुलासा हुआ। इस कड़ी में डीआरआई ने गुजरात के वेरावल से एक प्रमुख व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो इस पूरे नेटवर्क का हिस्सा बताया जा रहा है।

नियमों का उल्लंघन

विदेश व्यापार नीति के तहत आईटीसी (HS) वर्गीकरण में पटाखों का आयात "प्रतिबंधित" श्रेणी में आता है। इसके लिए डीजीएफटी (विदेश व्यापार महानिदेशालय) और पीईएसओ (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) से वैध लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है।

बिना अनुमति ऐसे विस्फोटक पदार्थों का आयात न केवल सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और बंदरगाह अवसंरचना के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा करता है।

सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति DRI का संकल्प

डीआरआई ने कहा कि यह अभियान ऐसे संगठित तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने और खतरनाक सामान के अवैध आयात से जनता की रक्षा करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि वह देश की व्यापारिक और सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता बनाए रखने के अपने मिशन पर लगातार काम करती रहेगी।

राजस्थान पुलिस द्वारा 'नव विधान: न्याय की नई पहचान' कार्यक्रम आयोजित

-21 को प्रदर्शनी का अंतिम दिन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नवीन आपराधिक कानून के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान पुलिस द्वारा आयोजित 'नव विधान: न्याय की नई पहचान' प्रदर्शनी का 21 अक्टूबर को अंतिम दिन होगा। सीतापुरा स्थित जेईसीसी परिसर में चल रही इस हाई-टेक प्रदर्शनी ने बीते एक हफ्ते में हजारों आगंतुकों को आकर्षित किया है।

डीजीपी शर्मा, पूर्व डीजीपी सहित कई शीर्ष अधिकारियों ने किया प्रदर्शनी का मुआयना-

रविवार को अवकाश के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का लुत्फ उठाया। इस दौरान पुलिस विभाग के कई शीर्ष अधिकारियों ने अपने परिजनों के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसका मान बढ़ाया। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने सपरिवार प्रदर्शनी का गहराई से मुआयना किया और विभिन्न ज़ोन में चल रहे डेमो तथा तकनीक-आधारित प्रस्तुतियों में गहरी रुचि दिखाई। उनके साथ पूर्व डीजीपी उमेश मिश्रा और ओमप्रकाश गल्होत्रा तथा अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एवं आरपीए डायरेक्टर एस. सेंगाथिर भी मौजूद रहे, जिन्होंने नवीन न्याय व्यवस्था के नए दौर की झलक देखी और राजस्थान पुलिस के प्रयासों की सराहना की। रविवार को अवकाश के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का लुत्फ उठाया। बच्चों, युवाओं और परिवारों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने नए आपराधिक कानूनों को समझने और पुलिस की आधुनिक कार्यशैली को करीब से देखने में गहरी रुचि दिखाई।

न्याय व्यवस्था के नए दौर की झलक-

13 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा उद्घाटित यह प्रदर्शनी, भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में आए नवीन कानूनों के क्रांतिकारी बदलावों को आमजन तक पहुंचाने का माध्यम बनी है। राजस्थान पुलिस के महानिदेशक राजीव शर्मा ने आमजन से आह्वान किया है कि जो अब तक नहीं पहुँचे हैं, वे इस अंतिम दिन प्रदर्शनी का हिस्सा ज़रूर बनें, क्योंकि यह केवल कानून देखने का नहीं, बल्कि "न्याय के नए भारत" को समझने का मौका है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य नागरिकों को यह दिखाना है कि नया कानून सिर्फ दंड नहीं, बल्कि न्याय, संवेदना और सुरक्षा की नई सोच लेकर आया है।

मुख्य आकर्षण बने हाई-टेक ज़ोन—

प्रदर्शनी स्थल को 10 थीम आधारित जोन में विभाजित किया गया है, जहाँ तकनीक और शिक्षा का सुंदर मेल दिखाई देता है।

वेपन सिमुलेटर: हथियार चलाने का वर्चुअल अनुभव आगंतुकों का सबसे बड़ा रोमांच बना।

—AI ड्राइविंग सिमुलेटर: सड़क सुरक्षा और स्मार्ट ड्राइविंग का आधुनिक प्रशिक्षण।

—कालिका यूनिट: महिला सुरक्षा की नई पहल के तौर पर खास आकर्षण।

—नाट्य मंचन: कानून को कहानी और अभिनय के माध्यम से समझाने का सृजनात्मक तरीका।

—सेल्फी पॉइंट्स और क्विज़: मनोरंजन के साथ जानकारी हासिल करने का अवसर।

लोग बोले – "ऐसी प्रदर्शनी हर साल होनी चाहिए"

एक छात्र ने कहा — "यह पहली बार है जब हमें कानून को इतने आसान और मजेदार रूप में समझने का मौका मिला।"

वहीं एक वरिष्ठ नागरिक का कहना था — "पुलिस की छवि बदल रही है, और यह प्रदर्शनी उसका जीवंत उदाहरण है।"

मुख्यमंत्री शर्मा ने यूपीआई से भुगतान कर डिजिटल इंडिया को किया प्रोत्साहित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली की पूर्व संध्या पर स्थानीय दुकानदारों व स्ट्रीट वेंडर्स से खरीदारी कर वोकल फॉर लोकल का संदेश दिया। वे रविवार को सपरिवार मानसरोवर के किरण पथ स्थित बड़ा बाजार पहुंचे और मिट्टी के दीये, पूजन सामग्री, रंगोली, बंदनवार एवं फल आदि खरीदे। शर्मा ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी की दरों में भारी कमी की है, जिससे दैनिक उपयोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। त्यौहारों पर बचत होने से आमजन में खरीदारी को लेकर काफी उमंग और उत्साह नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि हमें वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देते हुए स्थानीय दुकानदारों और स्ट्रीट वेंडर्स से अधिक से अधिक खरीदारी करनी चाहिए, जिससे उनके घरों में खुशहाली बढ़े। उन्होंने कहा कि देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग कर हमें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान दुकानदारों व स्ट्रीट वेंडर्स से आत्मीयतापूर्वक बातचीत की तथा यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर डिजिटल इंडिया को भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर स्थानीय व्यापार संगठनों एवं आमजन ने मुख्यमंत्री का स्वागत-अभिनन्दन किया।

संसदीय कार्य मंत्री महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती घायलों से मिले, जानी कुशलक्षेम

-संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जैसलमेर बस दुर्घटना में घायल यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट पहुंचे। पटेल ने घायलों की कुशलक्षेम पूछी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने परिजनों से संवाद करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है, राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी तरह खड़ी है। पटेल ने कहा कि चिकित्सा विभाग एवं प्रशासन ने राहत एवं उपचार से संबंधित सभी कार्यों को पूरी सक्रियता के साथ संपादित किया हैं, जिससे घायलों को हरसंभव सहायता और बेहतर चिकित्सा सुविधा समय पर उपलब्ध करवाई जा सकी। उन्होंने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

घायलों को दिया जा रहा सर्वोत्तम उपचार -

पटेल ने कहा कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सीय उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों की स्थिति, जलन के प्रतिशत, उपचार पद्धति और संसाधनों की उपलब्धता संबंधी विस्तृत जानकारी ली।

बर्न यूनिट की व्यवस्थाओं का लिया जायजा -

संसदीय कार्य मंत्री ने वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, इंटेंसिव केयर बेड्स, दवाइयों और नर्सिंग स्टाफ की स्थिति की समीक्षा की और प्रत्येक मरीज के समुचित उपचार के लिए 24 घंटे मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में परिजनों से भी मुलाकात की और उनके ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली।

ये रहे उपस्थित -

इस अवसर पर एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बी.एस. जोधा, एमजीएच के अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी सहित चिकित्सक एवं परिजन उपस्थित रहे।

जयपुर में हथियारबंद गिरोह धराया: दीपावली की रात डकैती और हत्या की थी प्लानिंग, 3 कट्टे-15 कारतूस बरामद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर क्राइम ब्रांच ने सोमवार दोपहर बड़ी कार्रवाई करते हुए डकैती की साजिश रच रहे पांच हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार किया है। ये सभी दीपावली की रात शहर के पॉश इलाकों में डकैती डालने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन देसी कट्टे, 15 जिंदा कारतूस, टैक्सी कार और एक ऑटोरिक्शा बरामद किया है। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों में रामनाथ (32) और उदयभान उर्फ गब्बर (34) निवासी सदर धौलपुर, रामभान (37) निवासी गडीबाज भरतपुर, रामकुमार उर्फ फंककाटा (35) निवासी सदर धौलपुर और संतोषी उर्फ भूरा (32) निवासी धिमरी धौलपुर शामिल हैं।

ट्रांसपोर्ट नगर में हुई कार्रवाई

क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि महाराष्ट्र नंबर की टैक्सी कार में सवार कुछ संदिग्ध बदमाश ट्रांसपोर्ट नगर की ओर आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर पांचों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार मिले।

जयपुर में की थी रेकी

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी संतोषी उर्फ भूरा जयपुर में ऑटोरिक्शा चलाता है। उसने दिन के समय पॉश इलाकों में घूमकर कई मकानों की रेकी की थी। रेकी पूरी होने के बाद उसने अपने साथियों को जानकारी दी और दीपावली की रात डकैती डालने की योजना तैयार की।

विरोध पर हत्या की थी साजिश

पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि बदमाशों ने डकैती के दौरान विरोध करने वालों की हत्या करने की योजना भी बना रखी थी। उनके पास मौजूद देसी कट्टे इसी इरादे से रखे गए थे।

कई और खुलासों की उम्मीद

क्राइम ब्रांच के अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ में अन्य वारदातों और संभावित साथियों के बारे में अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है। गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने छोटी चौपड़ पर की लक्ष्मी पूजा

-व्यापारियों संग मनाया दीपोत्सव, दिया 'लोकल फॉर वोकल' का संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली के पावन अवसर पर रविवार रात जयपुर की ऐतिहासिक चारदीवारी रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठी। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने छोटी चौपड़ पर व्यापारियों के साथ मां महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं।

स्वदेशी को बढ़ावा देने की अपील

पूजा के उपरांत दीया कुमारी ने लोगों से 'लोकल फॉर वोकल' और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा — "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी। यदि हम स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, तो यह मिशन 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।"

'ऑपरेशन सिंदूर' थीम से सजी चारदीवारी

इस वर्ष जयपुर की चारदीवारी क्षेत्र की दीपावली सजावट 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर आधारित रही। सजावट में भारतीय सेना की शौर्यगाथा, ब्रह्मास्त्र, रडार तकनीक और चंद्रयान मिशन से जुड़ी झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं। देशभक्ति और परंपरा का यह अनोखा संगम जयपुरवासियों को बेहद पसंद आया।

जनप्रतिनिधि और व्यापारी रहे मौजूद

कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा, मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, ग्रेटर नगर निगम उपमहापौर पुनीत कर्णावट, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुभाष गोयल, मोहनलाल गुप्ता, चंद्रमनोहर बटवाडा, मनोज भारद्वाज, सुरेश सैनी सहित चांदपोल व्यापार मंडल के पदाधिकारी और शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जयपुर की दीपावली बनी देशभक्ति की मिसाल

ऐतिहासिक हेरिटेज नगरी जयपुर की यह दीपावली केवल रोशनी का पर्व नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, स्वदेशी भावना और सांस्कृतिक गौरव का संगम बन गई। छोटी चौपड़ से लेकर चौगान तक जगमगाती रोशनी और मां लक्ष्मी की आराधना ने इस दीपोत्सव को यादगार बना दिया।

जयपुर में पुलिस जवानों संग मनाई गई दीपावली

-'रक्षक संग रोशनी' सीजन-02 का आगाज़, असली नायकों को दिया सम्मान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली के पावन पर्व पर विजयसुर मीडिया कंसल्टेंसी की ओर से एक प्रेरणादायक सामाजिक पहल 'रक्षक संग रोशनी' सीजन-02 का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत टीम ने पुलिस जवानों के साथ दीपावली मनाकर त्योहार की खुशियां साझा कीं।

इस पहल का उद्देश्य उन रक्षकों को सम्मान देना है जो त्योहारों पर भी जन सुरक्षा के लिए परिवार से दूर रहकर ड्यूटी निभाते हैं।

असली नायकों को कहा 'धन्यवाद'

कार्यक्रम का नेतृत्व विजयसुर मीडिया कंसल्टेंसी के संस्थापक आनंद जोशी ने किया। उन्होंने कहा —

"जब हम अपने घरों में दीप जलाते हैं, तब हमारे रक्षक सड़कों पर हमारी सुरक्षा में तैनात रहते हैं। इस दीपावली पर हमारा मकसद उन्हें धन्यवाद कहना और उनके साथ रोशनी का यह पर्व साझा करना है।"

संस्थाओं का सहयोग बना मिसाल

इस पहल को साकार रूप देने में दीपक अग्रवाल और बीकाजी फूड्स का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उनके समर्थन ने इस अभियान को और भी भावनात्मक और सार्थक बना दिया।

इसके अलावा, 'ऑल अबाउट हैप्पीनेस' एनजीओ के संस्थापक मनन ऐलानी और उनकी स्वयंसेवक टीम ने भी आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

जवानों के साथ बांटी खुशियां

रात के समय दीप जलाकर, फूलझड़ियां बांटकर और मिठाइयों के साथ पुलिस जवानों के बीच दीपावली का उत्सव मनाया गया।

इस दौरान जवानों ने भी कहा कि ऐसे कार्यक्रम उन्हें परिवार जैसी भावना देते हैं और उनके त्याग को समाज में पहचान मिलती है।

उद्देश्य: सम्मान और साझेदारी

'रक्षक संग रोशनी' का मुख्य उद्देश्य "खुशियां बांटने और सुरक्षा कर्मियों के प्रति सम्मान की भावना" को प्रोत्साहित करना है। आयोजकों ने बताया कि आने वाले वर्षों में यह अभियान और व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा ताकि अधिक से अधिक सुरक्षाकर्मियों तक दीपावली की रोशनी पहुंच सके।

सीने में दर्द के बाद SMS में भर्ती घूसखोर डॉक्टर मनीष अग्रवाल को मिली छुट्टी, सभी रिपोर्ट नॉर्मल

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर के सवाई मानसिंह (SMS) अस्पताल में भर्ती घूसखोरी के आरोपी न्यूरोसर्जन और सीनियर प्रोफेसर डॉ. मनीष अग्रवाल को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। रविवार को सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें पुलिस निगरानी में भर्ती कराया गया था। सभी जांचों में रिपोर्ट सामान्य आने के बाद मेडिकल बोर्ड ने उन्हें स्वस्थ घोषित कर दिया। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने बताया कि मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर डॉ. अग्रवाल को डिस्चार्ज किया गया है। उनकी सभी जांचें — 2डी इको, ट्रॉप-टी, और सीटी एंजियोग्राफी — सामान्य पाई गईं।

मेडिकल बोर्ड ने किया परीक्षण

डॉ. मनीष अग्रवाल की सेहत की जांच के लिए गठित मेडिकल बोर्ड में कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सरिता चौधरी, डॉ. हिमांशु मेहला, जनरल मेडिसिन विभाग से डॉ. श्रीकांत शर्मा, और फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. सुमंता दत्ता शामिल थे। बोर्ड ने विस्तृत जांच के बाद रिपोर्ट में लिखा कि डॉक्टर पूरी तरह स्वस्थ हैं और आगे भर्ती रखने की आवश्यकता नहीं है।

रिश्वत में रंगे हाथों पकड़े गए थे

गौरतलब है कि 9 अक्टूबर को एसीबी (ACB) की टीम ने डॉ. मनीष अग्रवाल को उनके घर से एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

डॉ. अग्रवाल पर आरोप है कि उन्होंने ब्रेन कॉइल सप्लाई करने वाली कंपनी के 12.50 लाख रुपए के बिल पास करने के बदले घूस मांगी थी।

कंपनी प्रतिनिधि ने जब विरोध किया, तो डॉक्टर ने कथित तौर पर कहा था — "साइन ऐसे ही थोड़े होते हैं, मेरी पर्सनैलिटी के हिसाब से वैल्यू लगाओ।"

कंपनी की शिकायत पर एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए उन्हें पकड़ लिया था।

निलंबन के बाद बदला मुख्यालय

गिरफ्तारी के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग की सिफारिश पर कार्मिक विभाग ने 17 अक्टूबर को डॉ. अग्रवाल को निलंबित कर दिया था। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय जोधपुर स्थित एस.एन. मेडिकल कॉलेज निर्धारित किया गया है।

उन्हें सीनियर प्रोफेसर, न्यूरोसर्जरी विभाग और अतिरिक्त प्रिंसिपल — दोनों पदों से निलंबित किया गया है।

एसीबी की कार्रवाई के बाद उठे सवाल

एसीबी की कार्रवाई के बाद से ही मेडिकल कॉलेज प्रशासन और चिकित्सा शिक्षा विभाग की साख पर सवाल खड़े हो गए हैं। अब डॉक्टर की तबीयत का हवाला देकर अस्पताल में भर्ती होना और कुछ ही घंटों में रिपोर्ट नॉर्मल आना — इस पूरे घटनाक्रम को लेकर चर्चा तेज है।

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अब एसीबी से प्राप्त केस डायरी के आधार पर आगे बढ़ेगी।

रक्तदान शिविर और प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रंगरेज समाज सामाजिक सेवा समिति, जयपुर की ओर से उमर रंगरेज के जन्मदिवस के अवसर पर गंगापोल गेट पर रक्तदान शिविर एवं छात्र-छात्रा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शिविर में एसएमएस अस्पताल ब्लड बैंक की टीम द्वारा कुल 93 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। वहीं, प्रतिभा सम्मान समारोह में 110 मेधावी छात्र-छात्राओं को मोमेंटो और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट मकसूद रंगरेज और सचिव सलमान रंगरेज ने बताया कि रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समाजसेवा की मिसाल पेश की। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान, मीडिया प्रवक्ता पौरुष भारद्वाज, दिलीप शाह, अनवर शाह, वक्फ बार एसोसिएशन महासचिव सिराजुद्दीन बादशाह, बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व महासचिव मनोज अजमेरा, एडवोकेट शकील अहमद सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने बीकानेर में स्वदेशी प्रोत्साहन का आह्वान किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को बीकानेर में आचार्य चौक स्थित भुजिया की दुकान का अवलोकन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी सरलीकरण से जुड़े निर्णय के बाद आए सकारात्मक बदलाव की जानकारी ली और आमजन के स्वदेशी प्रोत्साहन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाएं। इससे छोटे उद्यमियों को सबसे अधिक लाभ होगा। इस दौरान उन्होंने मौके पर बनाए जा रहे भुजिया का स्वाद चखा और कहा कि बीकानेरी भुजिया ने बीकानेर को दुनियाभर में विशेष पहचान दिलाई है।

अनेक लोगों ने दी दीपावली की शुभकामनाएं-

इससे पहले मेघवाल अपने चार दिवसीय प्रवास पर रविवार सुबह बीकानेर आए। यहां पहुंचने पर श्याम पंचारिया और दीपक पारीक सहित अनेक लोगों ने मेघवाल से मुलाकात की तथा उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी। अपने बीकानेर प्रवास के दौरान मेघवाल विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

एन.डी.पी.एस. प्रकरण में उद्घोषित अपराधी को भवानीमंडी पुलिस नें डिटेन कर पंजाब पुलिस के किया सुपुर्द

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भवानीमण्डी जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने 18 अक्टूबर को बताया कि जिले में फरार, स्थाई वारंटी, प्रकरणो में फरार आरोपीगणो की धरपकड के साथ-साथ जिले में निवासरत अन्य राज्यो के प्रकरणो में वांछित, फरार चल रहे आरोपीगण, वारंटीगणो की धरपकड हेतु विशेष अभियान चला रखा है। जिसके अन्तर्गत पुलिस थाना भवानीमंडी टीम ने कार्यवाही करते हुए पंजाब पुलिस का उदघोषित अपराधी दीपक लाल पुत्र बालूराम उम्र 30 साल निवासी काली माता मंदिर के पास पगारिया पुलिस थाना पगारिया जिला झालावाड़ (राज.) को डिटेन कर पंजाब पुलिस के सुपुर्द किया। कार्यवाही पुलिस- जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व चिंरजीलाल मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन एवं प्रेमकुमार आरपीएस वृताधिकारी वृत भवानीमंडी

निकटतम सुपरविजन में रमेशचंद पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमंडी के नेतृत्व में देशराज स.उ.नि. 1062 एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, भटिंडा रेंज भटिंडा (पंजाब) मय जाप्ता के एन.डी.पी.एस. प्रकरण में उद्घोषित अपराधी दीपक लाल पुत्र बालूराम उम्र 30 साल निवासी काली माता मंदिर के पास पगारिया पुलिस थाना पगारिया जिला झालावाड़ (राज.) को प्रकरण संख्या 303/2023 धारा-18सी, 29 एनडीपीएस एक्ट पुलिस थाना एसटीएफ हाल एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, सेक्टर-79, सोहना, एसएएस नगर भटिंडा रेंज भटिंडा में डिटेन कर पंजाब पुलिस के सुपुर्द किया गया। पंजाब पुलिस के सुपुर्द उदघोषित अपराधी विवरण- 1. दीपक लाल पुत्र बालूराम उम्र 30 साल निवासी काली माता मंदिर के पास पगारिया पुलिस थाना पगारिया जिला झालावाड़ (राज.) टीम विवरण- 1.रमेशचंद पुनि थानाधिकारी पुलिस थाना भवानीमण्डी मय जाप्ता 02 देशराज स.उ.नि. 1062 एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, रेंज भटिंडा (पंजाब) मय जाप्ता।

रेहाना रियाज चिश्ती ने उत्तराखंड में संगठन के विस्तृत कार्यों की रिपोर्ट संगठन महासचिव एवं लोकसभा सांसद के सी वेणुगोपाल को सोपी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री रेहाना रियाज़ चिश्ती एवं राजस्थान महिला आयोग अध्यक्ष और उत्तराखंड प्रभारी ने आज दिल्ली स्थित AICC अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में संगठन महासचिव एवं लोकसभा सांसद के. सी. वेणुगोपाल से मुलाकात कर उन्हें संगठन सृजन अभियान के तहत उत्तराखंड में मेरे प्रभार क्षेत्र में किए गए कार्यों व गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान उत्तराखंड प्रभारी कुमारी

शैलजा, लोकसभा सांसद एस. सैंथिल तथा CWC सदस्य वामशी रेड्डी भी उपस्थिति रहे।मीटिंग में उत्तराखंड में संगठन के विस्तार, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के सशक्तिकरण, और आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही अभियान के तहत क्षेत्र में की गई पहल, जनसंपर्क और बूथ सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर फीडबैक प्रस्तुत किया।

मुंडावर में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

-210 किलो दूषित मसाले एवं अवधि पार नमकीन नष्ट

खैरथल-तिजारा (रॉयल पत्रिका)। दीपावली पर्व के मद्देनज़र खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग, जिला खैरथल-तिजारा की टीम ने मुंडावर कस्बे में विशेष अभियान चलाया। जिला कलेक्टर किशोर कुमार के दिशा-निर्देश में की गई इस कार्रवाई में करीब 210 किलो दूषित मसाले एवं अवधि पार नमकीन को मौके पर नष्ट किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर मैसर्स खंडेलवाल किराना स्टोर (उर्फ राजू किराना), बस स्टैंड, मुंडावर पर निरीक्षण किया गया। दुकान के मालिक राजू खंडेलवाल पुत्र विजय कुमार निवासी मुंडावर हैं। निरीक्षण के दौरान दल ने पाया कि दुकान में खुले में सरसों तेल, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर

और नमकीन जैसे खाद्य पदार्थ बिना मानक स्वच्छता के बेचे जा रहे थे। खाद्य सुरक्षा टीम ने उक्त सभी वस्तुओं के नमूने लेकर जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला (एफएसएल) को भेजे। खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार ने बताया कि दुकान में पाई गई लगभग 210 किलो सड़ी हुई नमकीन एवं दूषित मसालों को मौके पर नष्ट करवाया गया। साथ ही दुकान में स्वच्छता व्यवस्था का अभाव पाया गया, जिस पर विभाग द्वारा दुकानदार को 15 दिवसीय सुधार नोटिस (Improvement Notice) जारी किया गया है। निर्धारित अवधि में सुधार नहीं होने पर दुकान का खाद्य लाइसेंस निरस्त कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार, एमएफटीएल जांच अधिकारी महिपाल सिंह, सुभाष सिंह एवं रमेश उपस्थित रहे।

एसडीपीआई ने प्रेस वार्ता आयोजित कर अंता उप चुनाव के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को दिया समर्थन

बारां (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया एसडीपीआई राजस्थान द्वारा रविवार 19 अक्टूबर को बारां शहर में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता में एसडीपीआई राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी ने अंता विधानसभा के उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे नरेश मीणा को समर्थन देने की घोषणा की, और अपने कार्यकर्ताओं से नरेश मीणा के समर्थन में कार्य करने का आह्वान किया।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन ने बताया कि अंता विधानसभा में हमारी पार्टी एक ऐसे निर्दलीय प्रत्याशी का समर्थन कर रही है जो सड़कों पर उतरकर जनता की समस्याओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं और शासन की गलत नीतियों का विरोध करते हुए जेल जाने से भी पीछे नहीं रहे। आज की राजनीति में ऐसे नायकों की आवश्यकता है, जो अंता सहित प्रदेश के सभी जिलों में आम नागरिकों की जन समस्याओं का निराकरण भली भांति करवा सके। प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन ने कहा कि अंता विधानसभा में आने वाले क्षेत्रों में विकास के नाम पर कई भ्रष्टाचार हुए हैं दोनों सत्तारूढ़ दलों ने क्षेत्र के मतदाताओं के साथ छल करते हुए वास्तविक

विकास से वंचित रखा है, उन्होंने आगे कहा कि ऐसे में युवा और ऊर्जावान नेता के रूप में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा जनता के लिए गांव से लेकर विधानसभा तक एक उचित माध्यम बनकर सभी समुदाय एवं वर्गों के हितों की रक्षा करेंगे। पिछले 20 सालों से भाजपा और कांग्रेस की सरकारों के शासन में क्षेत्र के सभी जगह विकास का नहीं होना अब प्रत्याशी के रूप में नरेश मीणा का चुनाव इस बार क्षेत्र की जनता के हाथों में है। इसमें सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया अपने सामाजिक लोकतांत्रिक महागठबंधन के रूप में भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) अंबेडकर राइट्स पार्टी ऑफ इंडिया (एपीआई) तथा राजस्थान डेमोक्रेटिक फ्रंट के साथ समर्थन करती है। रविवार को एसडीपीआई ने अपने सहयोगी राजनीति गठबंधन के नेताओं से इस संबंध में चर्चा कर अपना समर्थन नरेश मीणा को दिए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने कहा कि वह अंता विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ-साथ सभी समर्थन देने वाले दलों को धन्यवाद देते हैं। उनके विश्वास पर खरा उतरकर क्षेत्र की हर प्रकार की जन समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर रहेंगे। प्रेस वार्ता में एसडीपीआई के प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं बारां प्रभारी मोहम्मद जावेद, जिला अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़, जिला उपाध्यक्ष अल्ताफ हुसैन, जिला महासचिव अलीम मंसूरी, मांगरोल नगर कमेटी अध्यक्ष जाकिर हुसैन व पार्टी के पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हाजी सलाम अंता ने भी भाग लिया।

झारिया गोगामेडी मैदान पर राज्य स्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

-मुस्ताक खान ने फीता काटकर किया

मोहम्मद अली पठान

चूंरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम झारिया गोगामेडी मैदान पर राज्यस्तरीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव मुस्ताक खान व कार्यक्रम के अध्यक्ष अब्दुल लतीफ कारी, विशिष्ट अतिथि यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश ढूकिया, सरपंच प्रतिनिधि निसार खान, बीडीसी मेंबर सुनील मेघवाल, भंवर सिंह जी, लोहिया कॉलेज पूर्व महासचिव पुलकित चौधरी, छात्र नेता फरमान खान, युवा नेता गुलजार खान ने फीता काटकर शुभारंभ किया। मुस्ताक खान ने कहा इस तरह के भव्य खेलों के आयोजन से ग्रामीण अंचल से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

होता है और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं ग्रामीणजनों में आपसी सौहार्द भी कायम होता है। मुस्ताक खान ने भव्य आयोजन और स्वागत सत्कार के लिए सभी ग्रामवासियों व आयोजन कर्ताओं को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर इंतजार खान, मुबारिक खान, सुफियान तंवर, खुशी खान, फारुक खान, आदिल शेरा, आसिफ खान, आसिफ तंवर, वाहिद तंवर, मुदस्सर खान, राहुल डीगला, जुबैर तंवर, बिलाल खान, दिलशाद खान, शाहरुख खान आसिफ खान फरदीन तंवर, इमरान तंवर, समीर तंवर, कैफ तंवर, असद तंवर, हर्ष डीग्ला द्वारा सभी अतिथियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया उद्घाटन मैच सरदारशहर व भालेरी के बीच खेला गया जिसमें सरदारशहर विजेता रहा।

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की चौथी किश्त

-धनतेरस पर जिले के 2.06 लाख किसानों को 20.64 करोड़ रुपये की सौगात

-सिविल लाइन के सामुदायिक भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत चतुर्थ किश्त का हस्तांतरण शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम में किया गया। भरतपुर जिले के नदबई में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का जिला स्तरीय आयोजन सिविल लाइन स्थित सामुदायिक भवन, जंक्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिले के 2,06,378 किसानों के खातों में 20.64 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी माध्यम से सीधे हस्तांतरित की। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि राज्य सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को खेती-किसानी में सहारा मिल रहा है। जनप्रतिनिधि अमित सहू ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही सरकार की प्राथमिकता है, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री

किसान सम्मान निधि अंतर्गत किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपए की आर्थिक सहायता और मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि अंतर्गत प्रतिवर्ष 3 हजार रुपए की अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद डेलू, जनप्रतिनिधि अमित सहू, हनुमानगढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक के चेयरमैन राजेंद्र न्यौल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदीलाल मीना, जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्नोई, उपखंड अधिकारी मांगीलाल सुथार तथा हनुमानगढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रबंध निदेशक नरेश शुक्ला, मुख्य प्रबंधक संजय शर्मा, कार्यक्रम प्रभारी अधिकारी राजेंद्र लदोईया, वरिष्ठ प्रबंधक अनिल बिश्नोई, परमानाराम मायल, मुकेशचंद बैरवा, शैलेन्द्र गुप्ता सहित जिले की ग्राम सेवा सहकारी समितियों के व्यवस्थापक, सहकारी बैंकों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान लाभार्थी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में मंच संचालन भीष्म कौशिक ने किया। उपस्थित किसानों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि रबी फसल की तैयारी में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने सादगी से दाखिल किया नामांकन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने शनिवार को शुभलग्न में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान भाजपा प्रत्याशी सुमन के साथ क्षेत्रीय सांसद दुष्यंत सिंह, राजस्थान सरकार मे न्याय मंत्री जोगाराम पटेल, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाना, पूर्व मंत्री श्री चंद्र कृपलानी, संघठन प्रभारी पारस जैन, वरिष्ठ नेता हेमराज मीणा, छगन माहुर भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार, विधायक राधेश्याम बैरवा, विधायक ललित मीणा, वरिष्ठ नेता यश भानु जैन, रामस्वरूप यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र नागर, जगदीश मीणा, जिला महामंत्री हरगोविंद जैन, बृह्मनंद शर्मा, उप जिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल, भाजपा नेता राकेश जैन, सुनील गालव, अजीत सिंह, जयेश गालव, महावीर सिंह हाड़ाँ, मुकेश केरवालिया, ओम सुमन प्रशांत विजय, अंता पालिका चेयरमेंन रामेश्वर खंडेलवाल, प्रधान प्रखर कौशल, राधेश्याम

सिंगोदिया, गोविंद शर्मा, गिरीश गुप्ता, बंशीलाल सोनी, अमित चोपड़ा,पीयूष विजय,प्रेमशंकर गालव, श्याम सिंह राजावत, मंडल अध्यक्ष रोहित नंदवाना, राहुल नागर, देवेंद्र पारेता पुष्पदयाल मीणा महेंद्र मीणा, जयप्रकाश सुमन सहित बड़ी संख्या में बालाजी की भगीची मे भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व, प्रधान सुमन अपने आराध्य बड़ा की बावड़ी पर गणेश जी महाराज एवं श्री जी कल्याण राय जी महाराज के मंदिर पहुंचे। जहां पूजन अर्चना के बाद नामांकन दाखिल किया। भाजपा प्रत्याशी सुमन की नामांकन रैली बालाजी की बगीची से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए निर्वाचन कार्यालय पहुंची।भाजपा के कार्यकर्त्ता सुमन को भाजपा द्वारा प्रत्याशी बनाये जाने पर कार्यकर्त्ताओं एवं आमजन में विशेष उत्साह देखने को मिला। भाजपा जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य एवं सहप्रवक्ता योगेश राजौरा ने बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद मोरपाल सुमन ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार की अगुवाई में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेंगे।

राजस्थान पेन्शनर्स मंच की एक दिवसीय मिटिंग का आयोजन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। जयपुर मुरलीपुरा के रा उच्च मा. वि. ज्ञान ज्योती में उप शाखा के विस्तार के साथ 15 अक्टूबर को बैठक आयोजित की गयी। जिसमे प्रदेश अध्यक्ष कैलाश क्रान्ती कारी, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहमद हनीफ, जे पी शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी गुलाम रसूल, उप शाखा के प्रदाधिकारी गणश्री जे. पी शर्मा, मदन लाल एवं अन्य सेकड़ो राजस्थान पेन्शनर्स साथी एकत्रित हुए। राजस्थान पेन्शनर्स मंच के प्रदेश अध्यक्ष कार्यकारी डॉ. अब्दुल मन्नान खान देरी से पहुंचने पर मिटिंग सम्पादित हो चुकी थी। मीटिंग में प्रमुख मांगो पर निर्णय लिया गया जिसमे आठवे वेतन आयोग को लागु करने के पश्चात वरिष्ठ RGHS से संबंधित स म स्य ा ओ का निबटारा साथ मे वरिष्ठ स ा म ा न्य नागरिको की पेन्शन दो गुनी करने के प्रस्ताव लिया गया, साथ ही सरकार से अपील की गयी है

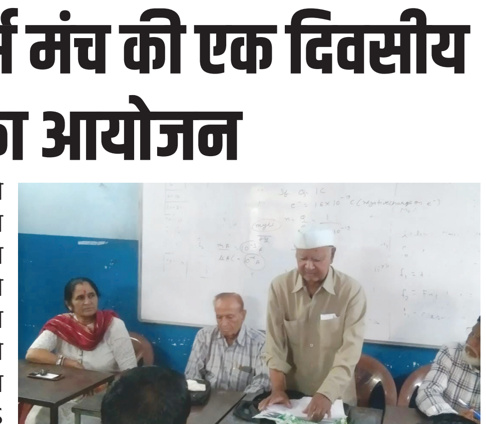

कि मांगो पर विचार नही करने पर राजस्थान पेन्शनर्स मंच दिपावली पर्व के पश्चात आन्दोलन करने पर उतारु हो सकता है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज चूरू के पास स्थित कैफे में लगी आग

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजकीय मेडिकल कॉलेज, शेखावत कॉलोनी के पास स्थित 999 डिलाइट कैफे में देर श्याम शॉर्ट सर्किट होने से लगी आग। आग इतनी भयंकर थी कि दमकल की गाड़ियों को उस पर काबू पाने के लिए करीब 2 घंटे की मस्कट लगी घटना में गनीमत यह रही कि किसी भी प्रकार की जान की हानि नहीं हुई कैफे के संचालक कमल सिंह राठौड़ ने बताया कि दिवाली के बाद कैफे का संचालन करना प्रस्तावित था किसी को लेकर कैफे में तैयारी चल रही थी देर शाम वे कुछ सामान लेने बाजार गए हुए थे तभी उनके पास पड़ोसियों एवं अन्य लोगों का फोन आया कि आपके कैफे में आग लग गई है ।आग इतनी भयंकर थी कि लाखों का सामान जलकर राख हो गया गनीमत यह रही कि किसी भी प्रकार का गैस सिलेंडर नहीं होने के कारण कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ घटनास्थल पर कोतवाली पुलिस भी पहुंची घटनास्थल पर कालोनी निवासी मौजूद थे जिसमें रविंद्र सिंह राठौड़, दीपेंद्र लीलावती, राजेश कुमार,अनिल, आदि मौजूद रहे।

रोड लाइट एवं टाइमर से छेड़छाड़ पर नगर परिषद को करें सूचित

कोटपूटली–बहरोड़ (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद आयुक्त नूर मोहम्मद ने बताया कि नगर परिषद कोटपूतली क्षेत्र मंक संवेदक नरेश कुमार सैनी, फर्म राधा गोविन्द इंटरप्राइजेज, कोटपूतली द्वारा रोड लाइट रिपेयर का कार्य किया जा रहा है। संवेदक द्वारा प्रस्तुत पत्र के अनुसार रिपेयर की गई रोड लाइटों एवं टाइमरों के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बार-बार छेड़छाड़ की जा रही है। उक्त व्यक्तियों द्वारा टाइमरों को जानबूझकर बंद कर देने से क्षेत्रवासियों को रात के समय प्रकाश व्यवस्था में बाधा उत्पन्न हो रही है तथा आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में नगर परिषद कोटपूतली द्वारा पुलिस थाने में प्राथमिकी जांच रिपोर्ट दर्ज करवाई जा चुकी है। अतः नगर परिषद ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति रोड लाइटों या टाइमर उपकरणों से छेड़छाड़ करता हुआ पाया जाए तो उसकी सूचना तत्काल नगर परिषद कार्यालय (दूरभाष - 9414792229, 9309396789) या पुलिस प्रशासन को दें, जिससे ऐसे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

रामगंज मंडी में 10 डिब्बों में रखा 150 कि मूंगफली का तेल सीज किया

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। किलोग्राम मूंगफली का तेल सीज किया। विभिन्न खाद्य पदार्थों के 11

रामगंजमंडी में शुद्ध आहार-मिलावट परके लड्, मिल्क केक, मूंगफली का तेल, घी सहित 11 नमूने लिए गए। इन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला कोटा भेजा गया। रिपोर्ट मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ खाद्य सुरक्षा टीम ने दशहरे मेले का निरीक्षण कर विक्रेताओं को तेल को बार गर्म कर कार्य में नहीं लेने, फूड लाइसेंस लगाकर रखने, सफाई रखने, कच्चा माल बिल से खरीदने, अवधि पार खाद्य पदार्थ नहीं बेचने के लिए पाबंद किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्रवीरसिंह जादौन, अरुण सक्सेना, संदीप अग्रवाल, मोजीलाल कुंभकार शामिल रहे। वार अभियान के तहत गुरुवार को सीएमएचओ डॉ नरेन्द्र नागर के नेतृत्व में खाद सुरक्षा दल ने दुकानों पर खाद्य सामग्री की जांच की। दस टिन में रखा 150 सैंपल लिए। टीम को ट्रेन व बस से लाए जा रहे मावा व पनीर पर निगरानी और ट्रेवल एजेंसियों को पाबंद करने का असर देखने को मिला। बाद में मावा विक्रेताओं को बुलवाकर 11 नमूने लिए गए।के लड्, मिल्क केक, मूंगफली का तेल, घी सहित 11 नमूने लिए गए। इन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला कोटा भेजा गया। रिपोर्ट मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ खाद्य सुरक्षा टीम ने दशहरे मेले का निरीक्षण कर विक्रेताओं को तेल को बार गर्म कर कार्य में नहीं लेने, फूड लाइसेंस लगाकर रखने, सफाई रखने, कच्चा माल बिल से खरीदने, अवधि पार खाद्य पदार्थ नहीं बेचने के लिए पाबंद किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्रवीरसिंह जादौन, अरुण सक्सेना, संदीप अग्रवाल, मोजीलाल कुंभकार शामिल रहे।

सुकेत कस्बा में बिजली ट्रिपिंग से निजात मिलेगी

सुकेत (रॉयल पत्रिका) । सुकेत कस्बे में कई वर्षों से कम वोल्टेज व लोड ज्यादा होने से बार बार बिजली ट्रिपिंग हो रही है। जिसके कारण कस्बेवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को देखते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर बिजली विभाग को 30 लाख रुपए की लागत से कस्बे को दो भागों में विभाजित कर अलग-अलग फीडर बनाए जा रहे हैं। बिजली विभाग इस कार्य को कर रहा है। युवा मोर्चा के जिलामहामंत्री विकास चौहान ने बताया कि कस्बे में बार बार ट्रिपिंग और लोड से आए दिन फाल्ट होता रहा है। रातभर कस्बा अंधेरे में रहता था। फीडर अलग होने से इसका समाधान होगा। भाजपा के मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र व्यास, महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता लक्ष्यकार, गजेंद्र यादव, नीरज गौतम, कालू नावरिया, कपिल भावसार, सूरज मेहरा, रामावतार खरेड़या, कन्हैया पांचाल, किशोर टेलर, ओम योगी, मनोहर शर्मा ने इस फैसले का स्वागत किया।

केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागरीथ चौधरी ने जेएलएन अस्पताल का किया निरीक्षण

-मरीजों को बेहतर उपचार और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने रविवार शाम जेएलएन अस्पताल, अजमेर पहुंचकर अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता, ओपीडी, आपातकालीन कक्ष, लेबर रूम, दवा वितरण केंद्र और प्रयोगशाला की व्यवस्थाओं का विस्तार से जायज़ा लिया। उन्होंने वहां मौजूद मरीजों से संवाद कर उपचार एवं सुविधा संबंधी जानकारी प्राप्त की और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना।

मरीजों को बेहतर उपचार सर्वोच्च प्राथमिकता-

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने इस अवसर पर चिकित्सकों एवं अस्पताल प्रबंधन के साथ बैठक कर उपलब्ध मानव संसाधन, दवाओं की पर्याप्तता, उपकरणों की स्थिति तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का सीधा संबंध जनजीवन की गुणवत्ता से है, इसलिए हर मरीज को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और मानवीय संवेदना से युक्त उपचार मिलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को बेहतर उपचार और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अस्पताल में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति के साथ संवेदनशीलता और सहानुभूति का व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

जनस्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाएं-

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों स्तरों पर जनस्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को यह भी सुझाव दिया कि दवा वितरण व्यवस्था और सफाई प्रणाली को नियमित मॉनिटरिंग के साथ और प्रभावी बनाया जाए, ताकि किसी भी मरीज को असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रशासन के अधिकारी, चिकित्सकगण एवं संबंधित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने किया कृषि विज्ञान केंद्र का अवलोकन देखी कृषकों को दी जाने वाली सुविधाएं

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे कार्यों का शनिवार को जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा अवलोकन किया गया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने तबीजी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों तथा पशुपालकों को नवीनतम तकनीकी के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करने के विविध घटकों का अवलोकन किया। इससे किसानों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के बारे में कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र सिंह भाटी तथा कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक संजय तनेजा ने विस्तार से जानकारी प्रदान की।

किसानों की आय दोगुनी करने के दिए निर्देश-

जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि जिले के किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र का अधिकतम लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए प्रशिक्षण क्षमता बढ़ायी जाने की आवश्यकता है। किसानों को नवीनतम तकनीक से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाए। प्रशिक्षण वर्षपर्यन्त आयोजित करने के लिए निर्देशित किया गया। किसानों को फसलों की उन्नत किस्मों की भी जानकारी होनी चाहिए। किसानों के साथ-साथ कृषि विभाग के अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। सरकार किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में भी कार्य किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अजमेर जिले में अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियां है। उसी के अनुसार खेतों की मिट्टी एवं पानी में भी विविधता है। इसे देखते हुए क्षेत्रानुसार फसलों की सलाह देने का कार्य कृषि विज्ञान केन्द्र विशेषज्ञता के साथ कर सकता है। साथ ही प्रति एकड़ उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए भी प्रयास किए जाने चाहिए। सामान्यतः किसान पशुपालक के रूप में भी कार्य करते हैं। अधिक दुग्ध एवं अन्य उत्पाद करने वाले पशुओं की नस्लों को पशुपालकों को उपलब्ध कराना चाहिए। फसलों के प्रसंस्करण के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित किया जाए।

मुर्गी पालन है लाभदायक-

कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र सिंह भाटी ने कृषि विज्ञान केंद्र के संपूर्ण सौर ऊर्जा से संचालित भवन तथा उसमें संचालित गतिविधियों के बारे में बताया। केवीके के द्वारा गिन्नी पाऊल चकौर मुर्गी की इकाई भी संचालित की जाती है।

जिला कलक्टर ने डूंगरी ग्राम पंचायत में की रात्रि चौपाल

-रात्रि चौपाल में प्रस्तुत परिवादों को सुनकर उनका मौके पर करवाया समाधान

जालोर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने शुक्रवार को चितलवाना पंचायत समिति की डूंगरी ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल कर उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए उनका मौके पर ही निस्तारण किया। रात्रि चौपाल के दौरान जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे के समक्ष ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने, विद्त व पानी की समस्या का समाधान करने सहित विभिन्न परिवाद प्रस्तुत किए जिनको जिला कलक्टर ने गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनका मौके पर ही निस्तारण करवाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। रात्रि चौपाल में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, डिस्कॉम व पंचायतीराज सहित विभागीय अधिकारियों ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर चितलवाना उपखण्ड अधिकारी सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व बड़ी संख्या ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

डूंगला एवं बोहेड़ा में 24 करोड़ से अधिक की लागत से बनेगा आधुनिक स्वास्थ्य ढांचा

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल गुलाबचन्द कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "आत्मनिर्भर भारत" के विजन के अनुरूप देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। स्वस्थ राजस्थान, समृद्ध भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने रविवार को जिले के डूंगला एवं बोहेड़ा (बड़ीसादड़ी) ग्रामों में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) का भूमि पूजन किया। साथ ही खेल मैदान, सीसी सड़क एवं अटल पथ का भी उद्‌घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि आज देश में चिकित्सा सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं, गांव-गांव तक सड़कें और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं, किसानों के खातों में योजनाओं के तहत सीधे पैसे जमा हो रहे हैं और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

डूंगला में 50 बेड और बोहेड़ा में 30 बेड का बनेगा अस्पताल-

राज्यपाल कटारिया ने कहां कि डूंगला में 16 करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से 50 बेड का आधुनिक अस्पताल तथा बोहेड़ा में 7 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 30 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाएगा। इन केंद्रों में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, प्रसूति कक्ष, ऑपरेशन थिएटर, लैब, दवा वितरण केंद्र और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की संपूर्ण व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर आसपास के सैकड़ों गांवों को इन केंद्रों से लाभ मिलेगा।

कोरोना काल से हर व्यक्ति को मिल रहा है निःशुल्क अनाज-

राज्यपाल ने कहा कि कोरोना महामारी के समय से ही सरकार द्वारा प्रत्येक व्यक्ति को 5 किलो गेहूं निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। यह सरकार की जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और संवेदनशील प्रशासन का प्रतीक है।

धनतेरस पर किसानों को मिली सौगात

-मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चतुर्थ किश्त का हस्तांतरण

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। "समृद्ध किसान – खुशहाल राजस्थान" के संकल्प को साकार करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धनतेरस के शुभ अवसर पर राज्य के किसानों को बड़ी सौगात दी। शनिवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की चतुर्थ किश्त राशि हस्तांतरण कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से किसानों के खातों में सम्मान निधि की राशि सीधे हस्तांतरित की। चित्तौड़गढ़ जिले में यह कार्यक्रम जिला परिषद के ग्रामीण विकास अभिकरण सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, जिला कलक्टर आलोक रंजन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद विनय पाठक, सहकारिता विभाग के सुनील व्यास, कृषि विभाग के उपनिदेशक दिनेश जागा, उद्यान विभाग से डॉ. शंकरलाल जाट, रतनलाल गाडरी, रघु शर्मा, सुनील कुमार व्यास सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सेमलपुरा निवासी किसान प्रहलादराय तेली से वर्चुअल संवाद किया और उनसे पूछा कि वे सरकार की कौन-कौन सी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस दौरान किसान प्रहलादराय ने बताया कि पशुधन गोपालन योजना के तहत ₹100000 का बिना ब्याज के लोन मिला है जिससे इन्होंने दो पशु क्रय किए जिससे उनके परिवार की आय में बढ़ोतरी हुई है। इन्होने मुख्यमंत्री महोदय का बहुत-बहुत आभार जताया और धन्यवाद दिया। सीकेएसबी के एम डी नानालाल चावला ने बताया कि जिले के 2 लाख 27हजार 119 किसानों को आज धनतेरस के दिन चतुर्थ किश्त ट्रांसफर की गई जिससे किसान की डबल दीपावली ख़ुशी से मनाएंगे उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे किसानों का जीवन स्तर सुदृढ़ हो रहा है।

जिले की 10 ग्राम पंचायतों में आयोजित हुए ग्रामीण सेवा शिविर

-विभिन्न विभागों की सेवाओं से ग्रामीणों को लाभांवित करते हुए उनकी समस्याओं का किया गया समाधान

जालोर (रॉयल पत्रिका)। केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को लाभांवित करने तथा उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए शनिवार को जिले की 10 ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा शिविर का आयोजन किया गया। जिले में शनिवार को जालोर तहसील की सांथू व नून, आहोर तहसील की डोडीयाली व हरजी, रानीवाड़ा तहसील की रतनपुर व सेवाड़ा, सांचौर तहसील की सरवाना व पालडी सोलंकियान एवं चितलवाना तहसील की गोमी व हाडेचा ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। ग्रामीण सेवा शिविरों में आमजन को राजस्व विभाग द्वारा लंबित फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करवाना, आपसी सहमति से विभाजन, किसान गिरदावरी एप डाउनलोड कराना एवं किसान गिरदावरी के लिए प्रेरित करना, नामांतरण, मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र जारी करने, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बीपीएल परिवारों का सर्वे एवं विकास कार्यों की स्वीकृतियां जारी करने, पंचायती राज विभाग द्वारा स्वामित्व योजना के पट्टों हेतु आवेदन एवं वितरण, चिकित्सा विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जांच, कैंसर व सिकल सेल रोग, स्क्रीनिंग, बच्चों का टीकाकरण, टीबी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जांच एवं पोषण किट वितरण तथा पीएमजेवाई कार्ड वितरण किया जाएगा। पशुपालन विभाग द्वारा पशु स्वास्थ्य शिविर और टीकाकरण, ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली से जुड़ी समस्याओं का समाधान, कृषि विभाग द्वारा बीज मिनी किट वितरण तथा आयोजना विभाग द्वारा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया। रसद विभाग द्वारा एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का निस्तारण एवं पात्र परिवारों की आधार सीडिंग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री घुमंतु आवास योजना, छात्रावासों का रखरखाव, यूडीआईडी कार्ड बनाने इत्यादि कार्य किए गए।

भजनलाल सरकार ने पिछले 21 माह में 8,386 रुपए करोड़ की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी

-मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र

तबीजी (अजमेर) (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा स्थानीय सांसद भागीरथ चौधरी ने शनिवार को अजमेर के राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, तबीजी में आयोजित "किसान उत्सव" कार्यक्रम में भाग लिया। यह आयोजन मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय किसान बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने धनतेरस के शुभ अवसर पर किसानों को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 71.8 लाख किसानों को 718 करोड़ रूपए की चतुर्थ किस्त का सीधा हस्तांतरण किया गया है।

प्रदेश के किसानों को मिल रही है अतिरिक्त सहायता-

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने बताया कि अब राजस्थान के पात्र किसानों को केंद्र की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाले 6,000 रूपए के साथ राज्य सरकार की ओर से 3,000 रूपए अतिरिक्त मिल रहे हैं। इस प्रकार किसानों को 9,000 रूपए वार्षिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि पिछले 21 माह में 8,386 करोड़ रूपए की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है, जो पारदर्शिता और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं किसान-

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि किसानों की समृद्धि ही राजस्थान के विकास का आधार है। राज्य और केंद्र सरकारें मिलकर कृषि को आत्मनिर्भर और लाभकारी बनाने के संकल्प पर दृढ़ता से कार्य कर रही हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर आधुनिक कृषि तकनीक अपनाएं और उत्पादन क्षमता बढ़ाएं। कार्यक्रम में अजमेर जिला कलेक्टर लोकबंधु, नगर निगम उपमहापौर नीरज जैन, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, विभिन्न विभागों के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में स्थानीय किसान बंधु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने धनतेरस के अवसर पर किसान सम्मान निधि राशि हस्तानांतरित कर दी सौगात

-राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

भरतपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्ययमंत्री भजनलाल शर्मा ने धनतेरस के शुभ अवसर पर प्रदेश के 70 लाख से अधिक किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लगभग 718 करोड़ की राशि हस्तानांतरित कर पांच दिवसीय पर्व दीपावली पर किसानों को सौगात दी है। मुख्यमंत्री शर्मा ने शनिवार को नदबई भरतपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से किसान सम्मान निधि योजना की चतुर्थ किश्त का हस्तांतरण कर किसानों को दीपावली पर्व पर सम्मान के साथ सौगात प्रदान की। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्य क्रम का आयोजन राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित वी सी रूम में किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने कहा की मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को किए गए वादे को निभाते हुए बढ़ोतरी कर ₹3000 रूपये राशि मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से भी दिया जा रहा है इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से प्रसारण किया गया जिसको सभी अधिकारियों एवं उपस्थित किसानों ने सुना। इस दौरान जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत, जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

धनतेरस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दी रोशनी की सौगात

-आनासागर पुलिस चौकी, शास्त्री नगर चुंगी व मित्तल अस्पताल तिराहे पर हाईमास्ट लाईटों का किया लोकार्पण

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। धनतेरस के शुभ अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शहरवासियों को प्रकाश पर्व की सौगात दी। उन्होंने शहर के विभिन्न स्थानों पर शनिवार सायं को नवस्थापित हाईमास्ट लाईटों का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। इसमें व्यस्त मार्गों पर रात्रि में रोशनी से वाहन चालकों को राहत मिलेगी। इसमें आनासागर पुलिस चौकी, शास्त्री नगर चुंगी तथा मित्तल अस्पताल तिराहा पर हाईमास्ट लाईट का लोकार्पण किया गया। देवनानी ने कहा कि शहर के चौराहों, मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर प्रकाश व्यवस्था का सुदृढ़ होना सुरक्षा और स्वच्छता दोनों के दृष्टिकोण से आवश्यक है। इन हाईमास्ट लाईटों के प्रारंभ होने से संबंधित क्षेत्रों में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था बेहतर होगी, जिससे स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न हिस्सों में चरणबद्ध रूप से हाईमास्ट लाईटें स्थापित की जा रही हैं। इससे अजमेर को और अधिक सुरक्षित, सुंदर व विकसित स्वरूप प्रदान किया जा सकेगा। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद, अधिकारी एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिले में धान की पराली जलाने की रोकथाम और नियन्त्रण की प्रभावी मोनिटरिंग के निर्देश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली एनसीआर एवं समीपवर्ती क्षेत्र राजस्थान में वायु नियंत्रण प्रबंधन के तहत जिले में धान की पराली जलाने की रोकथाम और नियन्त्रण की प्रभावी मोनिटरिंग हेतु जिला कलक्टर डॉ. मंजू द्वारा संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है। इसके अनुसार धान पराली प्रबंधन के प्रस्तावित तरीके के लिये समस्त गांवों में आने वाले प्रत्येक खेत की कृषि विभाग द्वारा मैपिंग की जाये। प्रभावी निगरानी के लिए जिले के सभी किसानों को सम्मिलित करते हुये अधिकाधिक किसानों के समूह को विशिष्ट नोडल अधिकारी से जोड़ा जाये। धान पराली प्रबंधन हेतु जिले में फसल अवशेष प्रबंधन से संबधित कृषि यंत्रों की संख्या का आंकलन कर (अनुपयोगी यंत्रों को कम करते हुये) स्थानीय परिस्थिति के आधार पर फसल अवशेष प्रबंधन हेतु उपयोग मे आने वाली मशीनों को बढावा देने के लिये कृषकों को प्रोत्साहित किया जाये। साथ ही कृषि यंत्रों पर अनुदान हेतु ऐसे यंत्रों के अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त किये जायें। इसके अलावा स्थापित होने वाले कस्टम हायरिंग केन्द्रो पर अधिक से अधिक फसल अवशेष प्रबंधन हेतु उपयोग में आने वाली मशीनों को समय पर क्रय कराया जाये। इन मशीनों का लघु/सीमान्त कृषकों को अधिक से अधिक लाभ दिया जाये। फसल अवशेष प्रबंधन हेतु बेलर्स, रेकर्स एवं अन्य मशीनरी अनुपलब्धता की स्थिति में आसपास के जिलों से समन्वय कर फसल पेटर्न को ध्यान में रखते हुये जिले में उक्त की सुविधा उपलब्ध करावें। संयुक्त निदेशक, कृषि (विस्तार) जिला परिषद् जिला कलेक्टर से समन्वय कर जिला/ब्लॉक स्तर पर समर्पित "पराली सुरक्षा बल" का गठन किया जायेगा।

सामान्य चिकित्सालय जालोर की राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी की बैठक सम्पन्न

जालोर (रॉयल पत्रिका)। सामान्य चिकित्सालय जालोर की राजस्थान मेडिकल रिलीफ सोसायटी की बैठक राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की उपस्थिति व जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने चिकित्सा व्यवस्थाओं में सुधार लाने के लिए विशेष दिशा निर्देश प्रदान दिए। बैठक के दौरान जिला चिकित्सालय जालोर में नवीन एस.टी.पी. प्लांट का निर्माण कार्य एवं एमसीएच रोसेन्टर में एसटीपी प्लांट को सुचारू करवाने, एमसीएच सेन्टर जालोर के सम्पूर्ण परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाने व शौचालय में साफ-सफाई व रख-रखाव करने, जिला चिकित्सालय एवं एमसीएच सेन्टर के लिए यूटीबी पर 6 चिकित्सक लगवाने, ब्लड बैंक में रंग रोगन का कार्य करवाने, जिला चिकित्सालय में बेन्टर परिसर में दीवार एवं छत्त की मरम्मत का कार्य करवाने, जिला चिकित्सालय जालोर में मेडिसन वार्ड एवं बर्न वार्ड के गबर में पाईप एवं डीप का कार्य करवाने को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. वेदप्रकाश मीणा, एमसीएच के डीसी डॉ. नैनमल परमार, सहायक लेखाधिकारी प्रथम इन्द्रजीत मेहता सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

थामा का यक्षासन

मेरे बच्चों को जरूर पसंद आएगा: नवाजुद्दीन

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म थामा को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच उन्होंने अपने फिल्म के किरदार को लेकर बात की और बताया कि यह किरदार उनके बच्चों के लिए खास रूप से रोमांचक होने वाला है। बात करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा, यह रोल मेरे लिए काफी अलग और नया है, जिसे मैं लंबे समय से निभाना चाह रहा था। फिल्म में मेरी भूमिका थोड़ी अजीब है, लेकिन यही अजीबपन बहुत दिलचस्प और मजेदार होने वाला है। मैं अपने अनुभव से बेहद खुश हूं। जब मेरे बच्चे फिल्म में मेरे किरदार यक्षासन को देखेंगे, तो यकीनन उसे जरूर पसंद करेंगे। मैंने इस किरदार को निभाने में काफी मेहनत की है। नवाजुद्दीन ने अपनी भूमिका की एक बल्लेबाज से तुलना की, जो मैच में पूरी तैयारी के बावजूद भी अनपेक्षित गेंद का सामना करता है। उन्होंने आगे कहा, यह रोल मिलना मेरे लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। फिल्मकार अब भी मुझे नए और अलग अवतार में देख रहे हैं। बता दें कि फिल्म थामा में नवाजुद्दीन सिद्दीकी यक्षासन नाम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा, आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और परेश रावल भी लीड रोल में हैं। वहीं पंचायत फेम फैसल मलिक भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वह पंचायत सीरीज में प्रहलाद चाचा के रोल में दिखे थे। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर है। इसमें एक वैंपायर की लव स्टोरी दिखाई जाएगी। इस फिल्म को आदित्य सरपोतदार ने निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक ने मिलकर किया है। फिल्म की कहानी निरंजन भट्ट और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है। यह मैडॉक्स फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। इस बैनर तले स्त्री, स्त्री 2, भेड़िया, और मुंज्या जैसी मूवीज बन चुकी हैं। यह फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दीपावली पर रिलीज हो रही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सोनम बाजवा और हर्षवर्धन राणे की फिल्म एक दीवीने की दीवानियत से टकराएगी।

सपना चौधरी ने नसीहत देने वालों को दिया जवाब

हरियाणवी डांसर और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की मशहूर शख्सियत सपना चौधरी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह बना है उनका एक इंस्टाग्राम वीडियो, जिसमें वो पारंपरिक पटियाला सूट पहनकर गलियों में बड़े दिलकश अंदाज में घूमती नजर आ रही हैं। वीडियो में उनका देसी अंदाज लोगों को खासा पसंद आ रहा है।सपना चौधरी अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने डांस वीडियोज, शायरी और देसी लुक्स साझा करती रहती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने पोस्ट के जरिए दिल की बात भी साझा की है। सपना चौधरी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेबी पिंक कलर का खूबसूरत पटियाला सूट पहने हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में वह बड़ी सादगी के साथ गलियों में घूमती दिख रही हैं। उनका देसी लुक सभी फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस वीडियो के कैप्शन में सपना ने उन लोगों को कड़ा जवाब दिया, जो उन्हें ट्रोल करते रहते हैं या फिर सलाह देते हैं। अपने इंस्टा पोस्ट के कैप्शन में सपना ने लिखा, मुझे सबर (सब्र) करने की नसीहत न दीजिए, मेरी जगह आइए और सह के दिखाइए। इस वीडियो में सपना ने बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर 90 के दशक की हिट फिल्म अजय का सुपरहिट गाना छम्मक छल्लो जरा धीरे चलो को चुना, जिसे मशहूर गायक कुमार सानू ने गाया है। इस गाने को सनी देओल और करिश्मा कपूर पर फिल्माया गया है और इसका संगीत आनंद-मिलिंद ने तैयार किया, जबकि बोल समीर ने लिखे हैं। बात करें सपना चौधरी के करियर की बात करें, तो उन्होंने बहुत कम उम्र में स्टेज परफॉर्मेंस शुरू की थी। हरियाणा के एक छोटे से गांव से निकलकर उन्होंने ऑर्केस्ट्रा टीम के साथ काम करना शुरू किया और फिर रागनी पार्टियों में हिस्सा लेने लगीं। उनका पहला बड़ा ब्रेक सॉलिड बॉडी रै गाने से मिला, जिसके बाद वो घर-घर में पहचानी जाने लगीं।

अर्जुन बिजलानी की झोली में आई राइज एंड फॉल की ट्रॉफी

शो राइज एंड फॉल के विजेता का एलान हो चुका है। ट्रॉफी अर्जुन बिजलानी की झोली में आई है। 6 प्रतियोगियों में से अर्जुन शो के विजेता बनकर उभरे हैं।

अर्जुन बिजलानी शो राइज एंड फॉल के पहले सीजन के विजेता बने हैं। छह फाइनलिस्ट में हुए मुकाबले में अर्जुन ने शो की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं, आरुष भोला पहले रनरअप रहे। वहीं, अरबाज पटेल शो के दूसरे रनरअप रहे हैं। रियलिटी शो की शुरुआत 15 प्रतिभागियों के साथ हुई थी। शो में अर्जुन बिजलानी, आरुष भोला और अरबाज पटेल तीन फाइनलिस्ट के रूप में चुने गए। इनमें से अर्जुन बिजलानी पहले सीजन के विनर बने हैं।

पवन सिंह भी बने थे शो का हिस्सा

शो राइड एंड फॉल को शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज अशनीर ग्रोवर ने होस्ट किया। यह शो प्रतिभागियों के सनसनीखेज और तीखे बयानों के चलते खूब सुर्खियों में रहा। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह भी इस शो में नजर आए। हालांकि, उन्होंने शो बीच में ही छोड़ दिया था। अर्जुन को ट्रॉफी के अलावा 28 लाख 10 हजार रुपये का नकद ईनाम मिला है।

अशनीर ने दी अर्जुन को ट्रॉफी

शो में विजेता के तौर पर अर्जुन बिजलानी के नाम का एलान अशनीर ग्रोवर ने किया। अपना नाम सुनते ही अर्जुन खुशी से उछल पड़े और सहयोगी प्रतिभागी के गले लग गए। इसके बाद अशनीर ने ही अर्जुन बिजलानी को ट्रॉफी दी। फिनाले में अर्जुन ब्लैक कलर के आउटफिट पहनकर पहुंचे।

एक दशक बाद बड़े पर्दे पर लौटीं गीता बसरा

गीता बसरा ने क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ शादी के बाद फिल्मों से दूरी बना ली थी लेकिन एक बार फिर वह एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हो गईं। एक टॉक शो भी कर रही हैं। करीब एक दशक बाद गीता बसरा ने पंजाबी 'मेहर' के साथ कमबैक किया है। फिल्मों तक ही सीमित न रहकर वह अब अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ टॉक शो ÒWhoÓs The Boss?' की होस्टिंग भी कर रही हैं।

लाल साड़ी में छाई प्रियंका!

● **दिवाली पार्टी में देसी गर्ल ने लगाया ग्लैमर का ऐसा तड़का, आहें भरते रह गए फैन**

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर सुर्खियों में हैं, और इस बार वजह है उनका शानदार लुक, एक्ट्रेस हाल ही में एक दिवाली पार्टी में पहुंची, जहां उनका रेड साड़ी-गाउन लुक तहलका मचा गया.

ग्लोबल आइकन और बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर अपने शानदार लुक को लेकर सुर्खियों में हैं. एक्ट्रेस हाल ही में जॉनी वॉकर की दिवाली पार्टी में नजर आई, जहां उनका रेड साड़ी-गाउन लुक सोशल मीडिया पर छा गया. फैंस उनके इस ग्लैमरस अंदाज से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं.

रेड साड़ी-गाउन में बिखेरा जलवा

इस खास मौके के लिए प्रियंका ने रेड कलर का स्टाइलिश साड़ी-गाउन पहना था, जो उन्हें एकदम रॉयल और ग्रेसफुल लुक दे रहा था. उनका ये वन-शोल्डर गाउन कॉरसेट ब्लाउज डिजाइन के साथ था.

प्रियंका ने अपने आउटफिट में ऐसे जोड़ा मॉडर्न टच

जिसने प्रियंका के पूरे आउटफिट में मॉडर्न टच जोड़ दिया. उनका ये फ्यूजन लुक फेस्टिव सीजन के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन साबित हो रहा है, जिसे आप भी दिवाली पर रिक्रेट कर छा सकतीं हैं.

मिनिमल एक्सेसरीज में दिखीं एलीगेंट

प्रियंका ने अपने इस ग्लैमरस लुक को मिनिमल एक्सेसरीज के साथ बैलेंस किया. उन्होंने डायमंड ड्रॉप इयररिंग्स और एक सिंपल ब्रेसलेट कैरी किया, जो उनके आउटफिट के साथ परफेक्ट लग रहा था. हेयरस्टाइल की बात करें तो एक्ट्रेस ने अपने बालों को स्लिक बन में बांधा, जिससे उनके पूरे लुक में एलिगेंस झलक रही थी.

मेकअप से बढ़ी चार्म की चमक

मेकअप के लिए प्रियंका ने शिमरी आईशैडो, विंग्ड आईलाइनर और बोल्ड रेड लिपस्टिक का कॉम्बिनेशन चुना. उनका ये क्लासिक ब्यूटी लुक आउटफिट के साथ बेहद खूबसूरत लग रहा था. उनकी हर तस्वीर में ग्रेस और कॉन्फिडेंस साफ झलक रहा है.

कंफर्ट जोन से निकलना चाहते थे जितेंद्र

वेब सीरीज पंचायत फेम जितेंद्र कुमार इन दिनों भागवत चैप्टर 1- राक्षस को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें उनके साथ अरशद वारसी भी हैं। फिल्म में उन्होंने एक कॉलेज प्रोफेसर की भूमिका निभाई है। जितेंद्र के मुताबिक- वह ऐसा चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते थे, जिससे उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका मिल सके।

भागवत चैप्टर 1- राक्षस में जितेंद्र, कॉलेज प्रोफेसर समीर की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं अरशद वारसी, इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में अरशद कॉलेज से कई युवतियों के लापता होने की जांच कर रहे हैं। जी5 की इस फिल्म का निर्देशन अक्षय शेरे ने किया है।

जितेंद्र ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए बहुत उत्साहित था। मुझे यह किरदार काफी चुनौतीपूर्ण लगा क्योंकि मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं इसे कैसे निभा पाऊंगा। हालांकि हर चुनौती के साथ मेरे अंदर एक अलग ही उत्साह था। मैं सच में एक क्राइम-थ्रिलर और कई अलग-अलग पहलुओं वाला किरदार निभाना चाहता था।

इंडस्ट्री में काम के घंटे बिल्कुल तय होने चाहिए

लाउड होना, चिल्लाना ही ताकत का पैमाना नहीं

पर्दे पर एक से बढ़कर शानदार किरदारों को जीवंत करने वाली कलाकारा कोंकणा सेन शर्मा अपनी नई सीरीज सर्च- नैना मर्डर केस में घर और काम के बीच जूझती एक होनहार एसपी संयुक्ता दास की भूमिका के लिए चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में हमने कोंकणा से की खास बातचीत-

कामकाजी औरतों के लिए घर और काम के बीच तालमेल बिठाना हमेशा एक चुनौती रहती है, जो आपकी सीरीज भी प्रमुखता से दिखाती है। आप खुद एक सिंगल मदर होने के नाते ऐक्टिंग जैसे डिमांडिंग पेशे में यह बैलेंस कैसे बनाती हैं? मैं बहुत लकी हूं, क्योंकि हारून (बेटा) के पिता (ऐक्टर रणवीर शौरी) भी उसकी परवरिश में बराबरी से इन्वॉल्व रहते हैं, जो बहुत बड़ा सपोर्ट है। इस वजह से मैं बेफिक्र होकर ट्रैवल कर पाती हूं। हम दोनों ही काम के लिए सिलसिले में समय-समय पर ट्रैवल करते रहते हैं, तब दूसरा घर का ख्याल रखता है तो मैं इस मामले में बहुत लकी हूं, मगर वो कहते हैं न कि एक एक बच्चे को बड़ा करने में एक पूरा गांव लगता है, तो सिंगल पैरंट या जिसके भी पास भी वो गांव नहीं है, उसके लिए बहुत मुश्किल होता है। पहले दादा-दादी, बुआ-चाची जैसे परिवार के सदस्य साथ होते थे, जबकि आज के दौर में न्यूक्लियर फैमिली हैं या हम दूसरे शहरों में चले जाते हैं जहां वो कम्यूनिटी नहीं है तो निश्चित तौर पर घर और काम के बीच तालमेल बिठाना बड़ा संघर्ष है लेकिन अभी हमारे पास कोई समाधान नहीं है। मैं उम्मीद करती हूं कि इस बारे में बात करने से कोई समाधान निकले। मैं बिल्कुल इस बात से सहमत हूं कि सेट पर काम के घंटे तय होने चाहिए, क्योंकि ऐक्टर्स ही नहीं, हमारे टेक्नीशियन तो और ज्यादा घंटे काम करते हैं, तो मुझे लगता है कि हफ्ते में 6 दिन ही काम होना चाहिए। जैसे, फ्रांस में हफ्ते में सिर्फ चार दिन काम होता है और वहां प्रोडक्टिविटी बढ़ी है। बेशक वो एक अलग देश है, मगर यहां भी हफ्ते में 6 दिन काम होना चाहिए और 12 घंटे की शिफ्ट होनी चाहिए। यह बेसिक है, जिसके हिसाब से चीजें प्लान की जानी चाहिए। बाकी, कभी जरूरत हो तो 14-15 घंटे काम करना पड़ जाए तो चलता है, लेकिन ये सामान्य कल्चर नहीं होना चाहिए। सीरीज यह भी दिखाती है कि कैसे एक काबिल फीमेल ऑफिसर के मातहत काम करने में उसके पुरुष सहयोगी की मेल ईगो को बड़ी चोट पहुंचती है। क्या कभी इस पुरुष सत्तात्मक सोच से हमें निजात मिलेगी? हां, ये दिक्कत तो है।

डीजल में अभिनय करना शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे हरीश कल्याण की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर डीजल 17 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इस फिल्म में हरीश ने पहली बार एक एक्शन हीरो का किरदार निभाया है। इस फिल्म का निर्देशन शन्मुगम मुथुसामी ने किया है। एक इंटरव्यू में हरीश कल्याण ने बताया कि डीजल में काम करना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ था। हरीश कल्याण ने कहा, निर्देशक शन्मुगम मुथुसामी की रिसर्च और डिटेलिंग ने मुझे हैरान कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट की गहराई ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे। पेट्रोल और डीजल हर किसी की जिंदगी से जुड़े हैं, और सोने से ज्यादा वैल्यूएबल कच्चा तेल, जिसे ब्लैक गोल्ड कहते हैं, दुनिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रिसोर्स है। हम रोज पेट्रोल पंप जाते हैं, लेकिन कच्चे तेल की उस डार्क वर्ल्ड के बारे में शायद ही सोचते हैं। डीजल उसी दुनिया को एक्सप्लोर करेगी। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म ग्लोबल ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और अनोखा एक्सपीरियंस लेकर आएगी। इसे गहराई और पर्पज के साथ क्राफ्ट किया गया है, और बड़े स्केल पर प्रोड्यूस किया गया है। हमने क्रिएटिव रिस्क लिए हैं जो कुछ अलग लेवल के हैं। दुनिया की सबसे बिजी लोकेशन्स पर शूटिंग करना सच में एक बड़ा चैलेंज था, लेकिन साथ ही एक्साइटिंग भी। बताया जा रहा है कि अभिनेता हरीश कल्याण ने इस रोमांचक थ्रिलर पर बड़ा दांव लगाया है। इसमें वह पहली बार एक्शन करते दिखाई देंगे। हरीश ने कहा, डीजल शारीरिक और मानसिक रूप से दोनों ही तरह से चुनौतीपूर्ण था। गानों और जबरदस्त एक्शन सीन्स तक, हर चीज के लिए काफी मेहनत की जरूरत थी। लेकिन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद मुझे काफी संतुष्टि का अहसास हुआ। अगर दर्शक मुझे एक्शन के क्षेत्र में अपनाते हैं, तो इस शैली में मेरे लिए और फिल्मों के दरवाजे खुलेंगे। डीजल का निर्माण थर्ड आई एंटरटेनमेंट और एसपी सिनेमाज ने किया है। शन्मुगम मुथुसामी ने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है।

- साभार

डेनमार्क ओपन 2025:

सत्विकसैराज-चिराग सेमीफाइनल में, लक्ष्य सेन हुए बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के स्टार पुरुष डबल्स खिलाड़ी सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लक्ष्य सेन पुरुष सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में हार गए। सत्विक-चिराग की जोड़ी, जिन्होंने इस साल BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, ने इंडोनेशिया की अनसीड जोड़ी मुहम्मद रियान आर्दियांतो और रहमत हिदायत को 21-15, 18-21, 21-16 से हराकर 65 मिनट तक चले कड़े क्वार्टरफाइनल में जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी अब अगले क्वार्टरफाइनल के विजेता का सामना करेगी, जिसमें आठवीं सीड चीन की चेन बो यांग और यी लियू या जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जोड़ी होगी। सत्विक-चिराग की जोड़ी ने अपनी शुरुआती दो राउंड में स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले और चीनी ताइपे की ली जे-हुई और यांग पो-ह्सुआन की जोड़ी को हराया था। वहीं, लक्ष्य सेन जिन्होंने गुरुवार को विश्व नंबर दो और स्थानीय पसंद एंडर्स एंटोनसेन को सीधे सेटों में हराकर चौंकाया था, शुक्रवार को सातवीं सीड फ्रांसीसी खिलाड़ी एलेक्स लानियर से 9-21, 14-21 से 44 मिनट में हार गए। पहला सेट फ्रांसीसी खिलाड़ी की पूरी पकड़ वाला रहा, जिन्होंने लगातार पांच पॉइंट लेकर 8-2 की बढ़त बनाई, जबकि लक्ष्य नेट पर संघर्ष करते नजर आए और कई अनफोर्स्ड एरर की। दूसरे सेट में लक्ष्य ने 3-1 की शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन फिर लानियर ने नौ लगातार पॉइंट लेकर 10-4 की बढ़त बनाई और आसानी से मैच अपने नाम कर लिया।

जैनिक सिनर के सामने जोकोविच का मास्टरप्लान फेल,

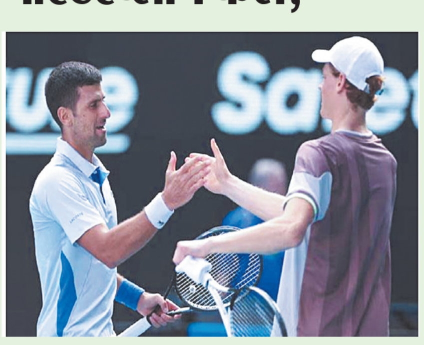

नई दिल्ली, एजेंसी। नोवाक जोकोविच और जैनिक सिनर के बीच सिक्स किंग्स स्लैम 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में जोकोविच की रणनीति पूरी तरह ध्वस्त हो गई। सेर्बियाई स्टार, जो अपनी टैक्टिकल ब्रिलियंस और मानसिक मजबूती के लिए जाने जाते हैं, मैच को लंबा खींचकर सिनर की सहनशक्ति को आजमाने की योजना लेकर आए थे। लेकिन इतालवी खिलाड़ी ने केवल एक घंटे से थोड़ी अधिक में सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से उन्हें हराकर योजना को धराशायी कर दिया।

एक योजना जो नहीं बन सकी

हार के बाद जोकोविच ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि उनका मास्टरप्लान सिनर को लंबा और शारीरिक मुकाबला खेलने के लिए प्रेरित करने का पूरी तरह फेल हो गया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा, मैंने कम से कम लंबे मैच की कोशिश की, लेकिन इतालवी खिलाड़ी के स्तर के सामने यह असंभव था। जैनिक सिनर अब जोकोविच के खिलाफ बढ़ती श्रेष्ठता दिखा रहे हैं। उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 6-4 सिन्नर के पक्ष में है, जिसमें उन्होंने पिछले पांच आधिकारिक मुकाबले जीते हैं। इसके अलावा, जोकोविच ने सिन्नर से 2024 और 2025 के सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी मुकाबलों में भी हार झेली है। हार के बावजूद जोकोविच ने अपनी खेल भावना और हास्य दिखाया।

शुभमन गिल ने संभाली कमान

• रोहित और विराट से सीखना मेरे लिए गर्व की बात

पर्थ, एजेंसी। भारत के नए कप्तान शुभमन गिल ने आगामी ऑस्ट्रेलिया तीन-मैच ओडीआई श्रृंखला से पहले अपने विचार साझा किए और कहा कि वे किसी भी कठिन परिस्थिति में वरिष्ठ बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली से सलाह लेने में पीछे नहीं हटेंगे।

रोहित और विराट अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया में अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय पारियाँ खेलेंगे, जिसमें पर्थ, एडिलेड और सिडनी में तीन ओडीआई मैच शामिल हैं। गिल ने इस साल के शुरुआत में रोहित की टेस्ट कप्तानी की जगह ली थी और अब ओडीआई टीम की कमान भी संभाल रहे हैं। भारत की व्हाइट-बॉल टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा तीन ओडीआई और पांच टी-20 मैचों का है। ओडीआई श्रृंखला का पहला मैच 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अन्य मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में होंगे। इसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला खेली जाएगी, जिसकी कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे।

गिल ने कहा, वे ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें मैं बचपन से आदर्श मानता रहा हूं। उनका खेल और जीत की भूख मुझे हमेशा प्रेरित करती रही है। उनके जैसा खेलना और उनके अनुभव से सीखना मेरे लिए गर्व की बात है। सीरीज के दौरान भी कई मौके आए जब मैं उनके अनुभव से सीखूंगा और किसी कठिन स्थिति में उनके सुझाव लेने से कभी पीछे नहीं हटूंगा। गिल ने आगे कहा कि रोहित और विराट के नेतृत्व में खेलते समय उन्होंने देखा कि खिलाड़ियों के साथ उनका संवाद और उनकी रणनीतियाँ उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तक पहुँचाने में मदद करती थीं। अब कप्तान के रूप में मैं भी ऐसा ही नेतृत्व करना चाहता हूं, जिससे सभी खिलाड़ी अपने काम में सुरक्षित महसूस करें और मेरी अपेक्षाएँ स्पष्ट हों। उन्होंने रोहित और विराट के अनुभव और उपलब्धियों की भी तारीफ की और कहा, उन्होंने भारतीय क्रिकेट को 15-20 सालों तक सेवा दी है। उनका अनुभव और कौशल टीम के लिए बेहद मददगार साबित होगा। रोहित और विराट ने पिछले साल बारबाडोस में टी-20 वर्ल्ड कप जीत के बाद टी-20 से संन्यास की घोषणा की थी।

महिला विश्व कप 2025: सेमीफाइनल की रेस से

3 टीमें बाहर!

सेमीफाइनल की रेस से 3 टीमें बाहर!

● भारत की किस्मत बदल सकता है पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में जारी महिला वर्ल्ड कप 2025 के 18वें मुकाबले में शुक्रवार को साउथ अफ्रीका ने अपनी चौथी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल की दावेदारी ठोस कर ली है। अब बचे हुए दो मैचों में से एक भी जीत प्रोटियाज को अंतिम 4 का टिकट दिलवा सकती है। वहीं श्रीलंका की टीम ने एक भी मैच अभी तक टूर्नामेंट में नहीं जीता है और इस मैच में उसे तीसरी हार मिली। हालांकि, बारिश के कारण रद्द हुए दो मैचों के कारण उसके दो अंक हैं। अब अगर सेमीफाइनल के समीकरण की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी जगह पक्की कर चुकी है। वहीं साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने की दहलीज पर है। 21 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में ही उसे सेमीफाइनल में एंट्री मिल सकती है। रही बात इंग्लैंड की तो पाकिस्तान के खिलाफ हार से इंग्लैंड बाल-बाल बच गई। अब रविवार को उसका सामना भारत से है। इस मैच में जीत उसे सेमीफाइनल में एंट्री दिलवा सकती है। वरना यह इंतजार 22 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच तक बढ़ सकता है।

अगर अंक तालिका पर नजर डालें तो बांग्लादेश पांच मैचों में से चार हार के बाद महज 2 अंक लेकर छठे स्थान पर है। तो श्रीलंका की टीम 5 मैचों में से तीन हार और दो बेनतीजा मुकाबलों के बाद 2 अंक लेकर सातवें पायदान पर है। पाकिस्तान ने 4 में से तीन मुकाबले गंवाए हैं और एक मैच बारिश के कारण रद्द होने की वजह से अंक तालिका में उसका खाता खुला है। अब बांग्लादेश को आखिरी दो मैच भारत और श्रीलंका से खेलने हैं। अगर टीम दोनों मैच भी जीती फिर भी 6 अंक ही हासिल कर पाएगी। मौजूदा हालात के मुताबिक 6 अंक से सेमीफाइनल का क्वालिफिकेशन मुश्किल दिख रहा है।

शमी ने रणजी मैच में झटके 7 विकेट

अपने प्रदर्शन से दिया अजीत अगरकर को मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर काफी चर्चा हो रही है। जहां एक तरफ भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर उन्हें अनफिट बता रहे हैं। वहीं शमी ने जो कहा था वो साबित भी कर दिया है। भारतीय पेसर ने रणजी ट्रॉफी 2025 की शुरुआत से पहले ही खुद को एकदम फिट बताया था। उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह साबित भी कर दिया है। उत्तराखंड के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने करीब 40 ओवर दोनों पारियों में मिलाकर गेंदबाजी की और 7 विकेट लेकर अपनी फिटनेस को साबित कर दिया। इस तरह कहीं ना कहीं मोहम्मद शमी ने अजीत अगरकर के उन्हें अनफिट करार देने वाले बयान को भी झुठला दिया है। अजीत अगरकर ने कहा था कि शमी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पूरी तरह फिट नहीं थे। 4 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए स्क्वाड का ऐलान हुआ था और 15 अक्टूबर से वह रणजी ट्रॉफी 2025 में अपनी टीम बंगाल के लिए खेल रहे हैं।

इससे पहले मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में 5 मैचों में 9 विकेट लेकर उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था। आईपीएल में भी वह खेलते नजर आए थे। शमी ने अपने बयान में यह कहा भी था कि अगर मैं आईपीएल खेल रहा हूं, रणजी खेल रहा हूं तो फिट कैसे नहीं हूं। वहीं अगरकर ने साफ-साफ उन्हें अनफिट कहे दिया था और रणजी में उनके प्रदर्शन को ट्रैक करने की बात कही थी। मोहम्मद शमी ने बंगाल के लिए उत्तराखंड के खिलाफ खेलते हुए पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में चार विकेट अपने नाम किए।

सूर्यकुमार की छिन जाएगी टी20 कप्तानी?

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज के जरिए शुभमन गिल 50 ओवर्स फॉर्मेट में भारतीय टीम की कप्तानी संभालने जा रहे हैं. शुभमन को रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है. इससे पहले शुभमन टेस्ट टीम के भी कप्तान बनाए गए थे क्योंकि रोहित ने क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था. शुभमन गिल को टेस्ट के बाद वनडे कैप्टेंसी सौंपकर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में ये युवा बल्लेबाज तीनों ही फॉर्मेट में टीम का नेतृत्व करेगा. शुभमन को वनडे कप्तान बनाने के फैसले ने कुछ फैन्स को चौंकाया ही, टी20 कैप्टन सूर्यकुमार यादव के मन में हल्का-सा डर जरूर पैदा हुआ.

सूर्यकुमार यादव को लगा कि शायद उनका कप्तानी कार्यकाल अब ज्यादा लंबा नहीं बचेगा. शुभमन को वनडे और टेस्ट टीम की कप्तानी मिली ही, उन्हें एशिया कप 2025 में भारतीय टी20 टीम का उप-कप्तान बना दिया गया था. एशिया कप के जरिए शुभमन की एक साल बाद टी20 सेटअप में वापसी हुई. ऐसे में सूर्यकुमार को लगा कि कहीं उनकी टी20 कप्तानी 2026 वर्ल्ड कप से पहले ना चली जाए.

शुभमन के लिए खुश हूं: सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव ने एक्सप्रेस अड्डा से कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगा. हर किसी को डर लगता है. मगर यह एक ऐसा डर है जो आपको प्रेरित करता है. शुभमन गिल और मेरे बीच मैदान के अंदर और बाहर अच्छी बॉन्डिंग है. मुझे पता है कि वो किस तरह के खिलाड़ी और इंसान हैं. इसी चलते, यह मुझे अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है. मैं उनके लिए बहुत खुश हूं कि वो दो फॉर्मेट में कप्तान बन गए हैं. उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है.

सूर्यकुमार यादव ने कहा कि उन्होंने इस डर को कमजोरी नहीं, बल्कि मोटिवेशन की तरह इस्तेमाल किया. कप्तान सूर्या का मानना है कि शुभमन गिल के साथ उनका रिश्ता आपसी सम्मान और भरोसे पर टिका है. 30 साल की उम्र के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सूर्या कहते हैं कि वो दबाव में या डरकर खेलने वालों में से नहीं हैं. सूर्यकुमार यादव कहते हैं, अगर मैं डरता तो अपने पहले इंटरनेशनल मुकाबले में जोफ्रा आर्चर की गेंद पर पहला शॉट छक्का नहीं मारता. मैंने बहुत पहले डर को पीछे छोड़ दिया है. मेरा मानना है कि अगर कोई ईमानदारी से मेहनत करे, तो बाकी सब अपने-आप सही हो जाता है.

14 चौके, 7 छक्के... 34 गेंद पर ठोक दिया शतक

महिला क्रिकेट में कभी नहीं हुआ ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट में एक नया इतिहास रचा गया है। किरण नवगिरे ने 17 अक्टूबर को नागपुर में खेले गए सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी मैच में महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए सिर्फ 34 गेंदों में शतक जड़कर महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज शतक का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। पहले ये रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन के नाम था।

किरण नवगिरे का कमाल- उन्होंने 35 गेंदों पर 106 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत महाराष्ट्र ने 111 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 8 ओवर में 9 विकेट से हासिल कर लिया। यह रिकॉर्ड पहलेसोफी डिवाइन के नाम था, जिन्होंने जनवरी 2021 में वेलिंगटन के लिए ओटागो के खिलाफ 36 गेंदों में शतक बनाया था। नवगिरे की 106 रनों की पारी 302.86 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से आई जिससे वह 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट पर शतक बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं।

किरण ने रच दिया इतिहास- उन्होंने इस मैच में मुक्ता मगरे के साथ दूसरे विकेट के लिए 103 रनों की अटूट साझेदारी की जिसमें मगरे ने सिर्फ 6 रन बनाए। महाराष्ट्र का 113 रनों का कुल स्कोर अब महिला टी20 क्रिकेट में सबसे कम टीम स्कोर है जिसमें किसी खिलाड़ी ने व्यक्तिगत शतक बनाया हो।

फीफा रैंकिंग: फीफा रैंकिंग में भारत पुरुष फुटबॉल टीम का नौ साल का निचला स्तर, सिंगापुर से मैच के बाद आया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई कप क्वालिफाइंग के तीसरे राउंड में भारत ने सिंगापुर के साथ आउटडोर मैच में 1-1 ड्रॉ खेला। इसके बाद 14 अक्तूबर को मार्गाओ में होम-लेग मैच में 1-2 की हार के साथ टीम को और नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम शुक्रवार को स्नढ्ढस्न्र रैंकिंग में 136वें स्थान पर आ गई, जो पिछले नौ वर्षों में सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट सिंगापुर के खिलाफ ड्रॉ और हार के बाद हुई, जिससे टीम की 2027 एशियाई कप क्वालिफिकेशन की उम्मीदें भी धूमिल हो गईं। भारत की टीम दो स्थान नीचे गिरकर 136वें स्थान पर आ गई, जो कुवैत से एक स्थान नीचे और बोत्सवाना से एक स्थान ऊपर है। इससे पहले भारतीय टीम की सबसे खराब रैंकिंग नवंबर 2016 और अक्टूबर 2016 में 137वीं थी। वहीं, भारत की अब तक की सर्वोच्च रैंकिंग 94वीं थी, जो फरवरी 1996 में हासिल की गई थी।

सिंगापुर के खिलाफ प्रदर्शन

एशियाई कप क्वालिफाइंग के तीसरे राउंड में भारत ने सिंगापुर के साथ आउटडोर मैच में 1-1 ड्रॉ खेला। इसके बाद 14 अक्तूबर को मार्गाओ में होम-लेग मैच में 1-2 की हार के साथ टीम को और नुकसान उठाना पड़ा। इस हार ने भारत की एशियाई कप 2027 के लिए क्वालिफाई करने की राह लगभग बंद कर दी। टीम के सामने अब कड़ी मेहनत और सुधार का चुनौतीपूर्ण रास्ता है।

भविष्य की चुनौती

इस गिरावट के बाद भारत की टीम के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती है खिलाड़ियों का मनोबल बनाए रखना और रणनीति सुधारना। टीम को आगामी अंतरराष्ट्रीय मैचों और टूर्नामेंट में सकारात्मक प्रदर्शन के लिए तैयारी करनी होगी ताकि रैंकिंग में सुधार हो सके और 2027 एशियाई कप में फिर से क्वालिफाई किया जा सके। इस गिरावट ने साफ कर दिया है कि एशियाई कप और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए टीम को तुरंत मजबूत और संगठित प्रदर्शन की आवश्यकता है।

पाकिस्तान ने संघर्ष विराम खत्म होने के बाद हमले किए : अफगानिस्तान

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान की सेना ने दो दिवसीय संघर्ष विराम खत्म होने के कुछ घंटे बाद दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में हमले किए हैं। एक अफगान पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता मोहम्मदुल्लाह अमीनी माविया ने बताया कि बम विस्फोट दक्षिण-पूर्वी पक्तिका प्रांत और पाकिस्तान सीमा से सटे दो अन्य इलाकों में हुए, जिसमें खानदार गांव में एक आम नागरिक के घर पर किया गया हमला भी शामिल है। उन्होंने बताया कि हमले में कई लोग हताहत हुए हैं। अफगानिस्तान के इस दावे पर पाकिस्तान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। बुधवार को शुरू हुए संघर्ष विराम से कई दिन से जारी लड़ाई रुक गई थी। संघर्ष में दर्जनों लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। शुक्रवार शाम को संघर्ष विराम समाप्त हो गया। हालांकि, संघर्ष को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। कतर ने शांति वार्ता की मेजबानी की कथित तौर पर पेशकश की है।

दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में हमलों से कुछ घंटे पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा था कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) समर्थित एक आत्मघाती कार हमलावर ने सीमा के पास सुरक्षा बलों के एक परिसर पर हमला किया, जिसमें कई लोग मारे गए। पाकिस्तानी पुलिस ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मीर अली शहर में हुए इस हमले के बाद भीषण गोलीबारी भी हुई, जिसमें कम से कम छह आतंकवादी और एक सैनिक की मौत हो गई। पाकिस्तान में टीटीपी आतंकवादी संगठन माना जाता है। यह अफगानिस्तान के तालिबान से अलग है, लेकिन उससे संबद्ध है। पाकिस्तानी अधिकारी टीटीपी पर अफगानिस्तान में स्थित ठिकानों से काम करने का आरोप लगाते हैं। स्थानीय पुलिस अधिकारी इरफान अली ने बताया कि हाफिज गुल बहादुर के नेतृत्व वाले पाकिस्तानी तालिबान के एक गुट ने मीर अली में हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। काबुल में, तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीह्लुल्ला मुजाहिद ने कहा कि एक तालिबानी प्रतिनिधिमंडल कतर रवाना होने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा, आम तौर पर, अफगानिस्तान इस्लामी अमीरात की नीति स्पष्ट और सुसंगत है:हम पाकिस्तान या किसी और के साथ युद्ध नहीं चाहते। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात खबर दी कि एक उच्चस्तरीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल शनिवार को अफगानिस्तान के साथ बातचीत के लिए कतर जाएगा लेकिन उसने कोई और जानकारी नहीं दी। इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने इससे पहले संवाददाताओं से कहा था कि वह अफगानिस्तान के साथ संभावित वार्ता के बारे में कोई जानकारी साझा करने की स्थिति में नहीं हैं और जब ऐसी कोई वार्ता होगी तो मंत्रालय बयान जारी करेगा। अली ने कहा कि इस्लामाबाद चाहता है कि काबुल किसी को भी पाकिस्तान पर हमलों के लिए अफगान धरती का उपयोग करने से रोके और पाकिस्तान ने हालिया हमले केवल आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाने के उद्देश्य से किए थे। जनवरी से पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बढ़े हैं, जिसके लिए टीटीपी को जिम्मेदार ठहराया गया है। इन हमलों से इस्लामाबाद और काबुल के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। पाकिस्तान का कहना है कि इस समूह को अफगानिस्तान में पनाह दी जा रही है।

सैन्य हमलों के कारण पाकिस्तान में होने वाली ट्वेंटी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला से हटा अफगानिस्तान

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी सैन्य हमलों में तीन स्थानीय क्रिकेटरों की मौत का दावा करने के बाद अगले महीने पाकिस्तान में होने वाली ट्वेंटी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला से अपनी राष्ट्रीय टीम का नाम वापस ले लिया है। एसीबी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि क्रिकेटरों को उरगुन जिले में एक सभा के दौरान निशाना बनाया गय जब वे पक्तिका प्रांत की राजधानी शाराना में एक दोस्ताना क्रिकेट मैच खेलकर घर लौट रहे थे। एसीबी ने कहा, एसीबी इसे अफगानिस्तान के खेल समुदाय, उसके खिलाड़ियों और क्रिकेट परिवार के लिए एक बड़ी क्षति मानता है। बोर्ड ने कहा, इस दुखद घटना के बाद पीड़ितों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आगामी त्रिकोणीय टी-20 श्रृंखला में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच यह श्रृंखला 17 से 29 नवंबर के बीच रावलपिंडी और लाहौर में खेली जानी थी।

अफगान और पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए दोहा रवाना

इस्लामाबाद। अफगान और पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए कतर की राजधानी दोहा रवाना हो गए हैं। इस बैठक का मकसद दोनों देशों के बीच के तनाव को कम करना है। पिछले कुछ दिनों में हुई लड़ाई में दोनों पक्षों के दर्जनों लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। तालिबान सरकार ने शनिवार को कहा कि अफगान प्रतिनिधिमंडल में रक्षा मंत्री और राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के प्रमुख शामिल हैं। वहीं, एक दिन पहले पाकिस्तान के सरकारी प्रसारक पीटीवी ने कहा था कि पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल शनिवार को दोहा रवाना होगा। हालांकि, उसने कोई अधिक विवरण नहीं दिया। दोनों देशों का कहना है कि वे एक-दूसरे की आक्रामकता का जवाब दे रहे हैं। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर सीमावर्ती क्षेत्रों में हमले करने वाले आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया है हालांकि तालिबान ने इस आरोप को खारिज किया है।

अफगानिस्तान शांति और अव्यवस्था में से एक को चुने :पाकिस्तानी सेना प्रमुख

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर ने शनिवार को अफगानिस्तान को शांति या अव्यवस्था में से किसी एक का चयन करने को कहा। उन्होंने अफगानिस्तान से यह भी कहा कि वह पाकिस्तान के अंदर हमले के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी और तत्काल कार्रवाई करे। मुनीर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ताजा हवाई हमले शुरू कर दिए। यह हमला दोनों देशों द्वारा दो दिन के संघर्ष विराम को विस्तारित किए जाने के कुछ घंटों बाद किया गया। मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ऐबटाबाद स्थित पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी (पीएमए) काकुल में सेना के कैडेट के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, अफगानिस्तान का जिक्र किया तथा उससे शांति या अव्यवस्था में से एक को चुनने को कहा। मुनीर ने चेतावनी दी कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करने वाले सभी छद्म आतंकवादियों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। पाकिस्तान द्वारा शुक्रवार को किए गए हमले उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले के बाद हुए हैं, जिसकी ज़िम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हाफिज़ गुल बहादुर समूह ने ली है। ये हमले ऐसे समय हुए हैं जब दोनों देशों के प्रतिनिधियों की दोहा में बैठक होने की उम्मीद है, जहां कतर सरकार मध्यस्थता के लिए प्रयास करने वाली है। पाकिस्तान लगातार तालिबान सरकार से आतंकवादी समूहों को सीमा पार हमलों के लिए अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करने से रोकने की अपील करता रहा है। हालांकि, काबुल इन आरोपों से इनकार करता रहा है और जोर देकर कहता रहा है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी पड़ोसी देश के खिलाफ नहीं किया जा रहा है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा कथित तौर पर अफगान धरती का उपयोग करते हुए बार-बार आतंकवादी हमले किए जाने के बाद दोनों पड़ोसी देशों के संबंध बिगड़ गए।

पाकिस्तान के अधिकारियों ने बलूचिस्तान से अगवा किए गए एक शीर्ष अधिकारी के बेटे को ढूंढा

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के जियारत क्षेत्र के निकट अपहृत एक शीर्ष सरकारी अधिकारी के बेटे को सुरक्षा एजेंसियों ने ढूंढ लिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। जियारत के सहायक आयुक्त (एसी) मुहम्मद अफजल बकी और उनके बेटे का लगभग दो महीने पहले जियारत के पास से अपहरण कर लिया गया था। पुलिस के एक एक वरिष्ठ अधिकारी बिलाल शेख ने कहा कि बकी अब भी लापता हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि अधिकारी उनकी सुरक्षित बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। शेख ने कहा, हमने उनके बेटे मुस्तानसर बिलाल को हरनाई के जर्दालो इलाके में पहुंचने के बाद बरामद कर लिया है। बकी और उनके बेटे का हरनाई के पास हथियारबंद लोगों ने अपहरण कर लिया था, जब वे अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाकर जियारत इलाके से लौट रहे थे। अपहरणकर्ताओं ने सरकारी वाहन में आग लगाने के बाद परिवार के सदस्यों, सुरक्षा गार्ड और वाहन चालक को छोड़ दिया था। 21 सितंबर को मीडिया में आई खबरों के आधार पर, पुलिस को संदेह है कि अपहरणकर्ताओं ने बकी की हत्या कर दी होगी। मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने विधानसभा में अपने संबोधन में बताया कि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर हमले किए

इस्लामाबाद, (भाषा)। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर ताजा हवाई हमले किए हैं, जिसके बाद दोहा में होने वाली अपेक्षित वार्ता और संघर्ष विराम पर खतरा मंडरा रहा है। समाचार पत्र डॉन ने शनिवार को खबर दी कि ये हमले उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर आतंकवादियों के हमले के बाद और दो दिवसीय संघर्ष विराम को बढ़ाए जाने के कुछ ही घंटों बाद किए गए। पाकिस्तानी सेना की ओर से कोई बयान नहीं आया है। दूसरी ओर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हाफिज गुल बहादुर समूह ने शुक्रवार तड़के मीर अली में खड्डी किले पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि उन्होंने हमले को नाकाम करते हुए सभी चार हमलावरों को मार गिराया। अखबार के अनुसार, सुरक्षा सूत्रों ने दावा किया है कि हाफिज गुल बहादुर समूह के ठिकानों पर सटीक हमले किए गए, जिनमें कथित तौर पर दर्जनों लड़ाके मारे गए। समाचार पत्र की खबर के अनुसार पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अंगूर अड्डा क्षेत्र और अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के उरगुन व बरमल जिलों में आतंकवादियों के ठिकानों को भी निशाना बनाया। खबर के अनुसार पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों ने कहा है कि अफगान सरकार और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षविराम समझौते में आतंकवादी संगठनों और उनके ठिकानों पर हमले करने की बात शामिल नहीं है। ये ताजा हमले ऐसे समय में हुए हैं जब दोनों देशों के प्रतिनिधियों की दोहा में बैठक होने वाली थी, जहां कतर सरकार मध्यस्थता के लिए प्रयास कर रही थी। समाचार पत्र ने बताया कि शुक्रवार रात हुए ताजा हमलों के बाद संघर्ष विराम और दोहा में होने वाली वार्ता दोनों पर खतरा मंडरा रहा है। सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने शुक्रवार को प्रारंभिक 48 घंटे के संघर्षविराम के समापन पर कहा था, पाकिस्तान और अफगानिस्तान दोनों ने कतर के दोहा में वार्ता होने तक संघर्षविराम को आपसी सहमति से बढ़ा दिया है। वार्ता (शनिवार को) शुरू होने की उम्मीद है। अफगानिस्तान से प्राप्त जानकारी से पता चलता है कि तालिबान प्रतिनिधिमंडल में रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब मुजाहिद और खुफिया प्रमुख मुल्ला वसीक शामिल होंगे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक और विदेश मंत्री इस्हाक डार के बीच देर शाम हुई बैठक में संकेत मिले कि जनरल मलिक दोहा की यात्रा कर सकते हैं।

काकुल में सेना के कैडेटों के स्नातक समारोह को संबोधित कर रहे थे

किसी भी उकसावे का भारत को निर्णायक जवाब दिया जाएगा : पाकिस्तानी सेना प्रमुख

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने शनिवार को तीखी बयानबाजी करते हुए भारत को मामूली उकसावे पर भी निर्णायक जवाब देने की चेतावनी दी और कहा कि परमाणु हथियारों वाली दुनिया में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है। मुनीर खैबर पख्तूनख्वा के एबटाबाद स्थित प्रमुख पाकिस्तान सैन्य अकादमी (पीएमए) काकुल में सेना के कैडेटों के स्नातक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं भारत के सैन्य नेतृत्व को सलाह देता हूं और दृढ़ता से आगाह करता हूं कि परमाणु (हथियारों से) संपन्न माहौल में युद्ध की कोई गुंजाइश नहीं है। सेना प्रमुख ने कहा, हम कभी भी भयभीत नहीं होंगे, बयानबाजी से प्रभावित नहीं होंगे और बिना किसी झिझक के मामूली उकसावे का भी निर्णायक जवाब देंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के सैन्य संघर्ष का उल्लेख करते हुए, मुनीर ने दावा किया कि उनके देश की सशस्त्र सेनाओं ने सभी खतरों को निष्प्रभावी करके उल्लेखनीय पेशेवर रुख और दूरगामी क्षमताओं का प्रदर्शन किया है और संख्यात्मक रूप से बेहतर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ विजई बनकर उभरी हैं।

भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया गया, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद संघर्ष को समाप्त करने के लिए 10 मई को सहमति बनी थी। यह सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। मुनीर ने भारत पर पाकिस्तान को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और कहा कि मुट्ठी भर आतंकवादी पाकिस्तान को नुकसान नहीं पहुंचा सकते। उन्होंने चेतावनी दी कि अफगान धरती का इस्तेमाल करने वाले सभी प्रॉक्सी (छद्म संगठनों) को धूल में मिला दिया जाएगा , उनका स्पष्ट संदर्भ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से था। सेना प्रमुख ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार मुख्य मुद्दों को सुलझाने का आग्रह किया, जो कश्मीर विवाद का स्पष्ट संदर्भ था। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को नैतिक और कूटनीतिक समर्थन प्रदान करने की पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई।पाकिस्तान को एक शांतिप्रिय देश बताते हुए मुनीर ने कहा कि अमेरिका और चीन सहित प्रमुख शक्तियों के साथ उसके मजबूत संबंध हैं। समारोह में मलेशिया, नेपाल, फलस्तीन, कतर, श्रीलंका, बांग्लादेश, यमन, माली, मालदीव और नाइजीरिया सहित कई मित्र देशों के कैडेटों ने भी स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

सिख महिला से बलात्कार मामले में दो गिरफ्तार

लंदन। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में पिछले महीने एक सिख महिला के साथ बलात्कार के संदेह में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। माना जा रहा है कि ये घटना नस्लीय भेदभाव के कारण अंजाम दी गई। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि ए गिरफ्तारियां बृहस्पतिवार रात को उसी काउंटी के हेल्सओवेन में महिला (30) के साथ हुए बलात्कार के सिलसिले में की गई हैं। बाद में दोनों आरोपियों को 20 वर्षीय ब्रिटिश सिख महिला के उत्पीड़न के मामले में भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, सैंडवेल के 49 वर्षीय पुरुष और 65 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया।

भारतीय फिल्म डुपकी का बीजिंग बाल महोत्सव में प्रीमियर

बीजिंग। भारतीय कॉमेडी फिल्म डुपकी का शनिवार को छठे बीजिंग अंतरराष्ट्रीय बाल महोत्सव में प्रीमियर हुआ, लेकिन इस कार्यक्रम में फिल्म का निर्देशक या कोई कलाकार शामिल नहीं हो सका।बीजिंग अंतरराष्ट्रीय बाल महोत्सव के अधिकारी गेविन ली ने बताया कि 16 अक्टूबर से शुरू हुए चार-दिवसीय कार्यक्रम में 62 फिल्में प्रदर्शित की गईं। हालांकि, वीजा नहीं मिल पाने के कारण डुपकी के निर्देशक और इसके कलाकारों की गैर-मौजूदगी में इसे प्रदर्शित किया गया। गेविन ली ने कहा, यह अफसोस की बात है कि फिल्म निर्माताओं को वीजा नहीं मिल सका। डुपकी के निर्देशक अभय पंजाबी ने कहा कि उनकी फिल्म के प्रदर्शन के लिए चयनित होने के बावजूद डुपकी टीम का कोई भी सदस्य बीजिंग जाने के लिए वीजा प्राप्त नहीं कर सका। पंजाबी ने बताया कि दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने उनका वीजा आवेदन खारिज कर दिया। पंजाबी ने कहा कि उन्होंने आयोजकों के आधिकारिक निमंत्रण पत्र के साथ वीजा आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन उनका आवेदन अस्वीकार कर दिया गया और अस्वीकृति के लिए कोई कारण नहीं बताया गया। फिल्म की कहानी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए तीन बढ़ते बच्चों के सपनों पर आधारित है।

राजा चार्ल्स तृतीय के भाई राजकुमार एंड्रयू ने शाही उपाधियां त्यागी

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय के छोटे भाई राजकुमार एंड्रयू ने अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों को लेकर लग रहे आरोपों के बीच, राजा के साथ चर्चा के बाद ड्यूक ऑफ यॉर्क और अन्य सभी शाही उपाधि त्याग दी हैं। राजकुमार एंड्रयू (65) ने हिज रॉयल हाइनेस की उपाधि का उपयोग पहले ही करना बंद कर दिया था। उन्होंने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी अन्य सभी उपाधियां भी निष्क्रिय हो जाएंगी। हालांकि, वे अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों का पुरजोर खंडन करते रहे हैं। दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पुत्र होने के नाते, वे 1917 में किंग जॉर्ज पंचम द्वारा जारी लेटर्स पेटेंट के अनुसार राजकुमार की उपाधि बरकरार रखेंगे, जिसे उनकी मां ने 2012 में अद्यतन किया था।

बकिंघम पैलेस द्वारा जारी एक बयान में राजकुमार एंड्रयू ने कहा, राजा और मेरे निकट एवं व्यापक परिवार के साथ चर्चा में, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि मुझ पर लगातार लग रहे आरोप महामहिम (चार्ल्स) और शाही परिवार के काम में बाधा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा की तरह, अपने परिवार और देश के प्रति अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखने का निर्णय लिया है। मैं पांच साल पहले सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के अपने फैसले पर कायम हूं। उन्होंने कहा, महामहिम की सहमति से, हमें लगता है कि अब मुझे एक कदम और आगे बढ़ना होगा। इसलिए मैं अब अपनी उपाधि या मुझे दिए गए सम्मानों का उपयोग नहीं करूंगा।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल को लापता बंधक के अवशेष प्राप्त हुए : प्रधानमंत्री कार्यालय

» दीर अल-बलाह (गाजा), भाषा।

इजराइल को हमास की ओर से गाजा से एक और बंधक के अवशेष प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी। हमास युद्ध विराम समझौते को मजबूती देने के लिए क्षेत्र में मलबे के नीचे दबे शवों की तलाश कर रहा है। इजराइली सेना और सुरक्षा बलों को गाजा में रेडक्रॉस इंटरनेशनल कमेटी (आईसीआरसी) से ताबूत मिला, जिसे इजराइल में स्वास्थ्य मंत्रालय के राष्ट्रीय फोरेंसिक मेडिसिन केंद्र में भेजा जाना है। इजराइली अधिकारियों ने कहा कि औपचारिक पहचान प्रक्रिया के बाद मृतक के परिवार को सूचित किया जाएगा। शवों को सौंपने की प्रक्रिया से पहले हमास की सैन्य शाखा कस्साम ब्रिगेड ने कहा था कि ये अवशेष एक कब्जाधारियों के कैदी के हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि ये अवशेष गाजा में बंधक बनाए गए कई अन्य देशों के बंधकों में से किसी बंधक के नहीं बल्कि किसी इजराइली व्यक्ति के हैं।

अवशेष प्राप्त करने वाली इजराइली सेना और शिन बेट सुरक्षा सेवा ने कहा कि हमास को समझौते को कायम रखना होगा और सभी मृत बंधकों को वापस करने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे। हमास ने कहा है कि कुछ बंधकों के अवशेष सुरंगों या इमारतों में थे जिन्हें इजराइल ने नष्ट कर दिया। हमास ने जोर देकर कहा कि शवों को निकालने के लिए मलबे को खोदने के लिए भारी मशीनों की जरूरत है। समूह ने इस देरी के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उसने गाजा में किसी भी नए बुलडोजर को आने की अनुमति नहीं दी है। खान यूनिस शहर में अपार्टमेंट टावरों के एक परिसर हमाद सिटी में शुक्रवार को बंधकों के अवशेषों की तलाश जारी रही। युद्ध के दौरान इजराइली सेना ने इन टावर पर कई बार बमबारी की जिससे कुछ टावर गिर गए।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर नए हवाई हमले किए

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष को सुलझाना मेरे लिए आसान है: अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ती शत्रुता के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अगर उन्हें दोनों देशों के बीच संघर्ष को हल कराने की जरूरत पड़ी तो यह उनके लिए आसान बात होगी। ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ भोज के दौरान मीडिया से कहा, मैं समझता हूं कि पाकिस्तान ने हमला किया या अफगानिस्तान के साथ संघर्ष जारी है, अगर मुझे इसे सुलझाना है तो यह मेरे लिए आसान है। ट्रंप ने लाखों लोगों की जान बचाने का एक बार फिर दावा किया और साथ ही यह आश्वासन भी दिया कि उन्हें अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को सुलझाने में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, मुझे लोगों को मारे जाने से रोकना अच्छा लगता है। मैंने लाखों-करोड़ों लोगों की जान बचाई है और मुझे लगता है कि हमें इस युद्ध को रोकने में सफलता मिलेगी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर नए हवाई हमले किए जिससे दोहा में होने वाली अपेक्षित वार्ता पर ग्रहण लग गया।

इससे पहले दोनों पक्षों के बीच संघर्षविराम ने हमलों पर अस्थाई रूप से विराम लगा दिया था। समाचार पत्र डॉन की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, इन हमलों से पहले आतंकवादियों ने उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर बंदूक और बम से हमले किए थे। इस बीच, ट्रंप ने आठ युद्ध रूकवाने के बावजूद नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर एक बार फिर निराशा व्यक्त की है। ट्रंप ने कहा, आप जानते हैं कि हमने आठ अन्य समस्याओं का समाधान किया है।... मैंने आठ युद्ध सुलझाए। उन्होंने कहा, हर बार जब मैं एक का समाधान कराता हूं तो वे कहते हैं कि अगर आप अगले का भी समाधान कर लेते हैं तो आपको नोबेल पुरस्कार मिलेगा। ट्रंप ने हालांकि तुरंत यह भी कहा कि उन्होंने यह नोबेल के लिए नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि वह 2025 की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता (मारिया कोरिना मचाडो) को नहीं जानते। उन्होंने मचाडो का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, मुझे नोबेल पुरस्कार नहीं मिला। किसी को यह पुरस्कार मिला है। वह एक बहुत अच्छी महिला हैं, बहुत अच्छी, मुझे नहीं पता कि वह कौन हैं लेकिन वह बहुत उदार हैं इसलिए मुझे इन सब बातों की परवाह नहीं है। मुझे बस लोगों की जान बचाने की परवाह है।

ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के भोज के दौरान मीडिया से कहा कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने मॉस्को से तेल की खरीद लगभग बंद कर दी है। ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ शुक्रवार दोपहर को भोज के दौरान मीडिया से कहा कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने पहले ही (तेल की खरीद) कम कर दी है और लगभग बंद कर दी है। ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा, वे पीछे हट रहे हैं। उन्होंने लगभग 38 प्रतिशत तेल खरीदा है और अब वे ऐसा नहीं करेंगे। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह बाजार की स्थितियों के अनुरूप अपने ऊर्जा स्रोतों का व्यापक आधार तैयार कर रहा है और इसे विविध बना रहा है। भारत के बृहस्पतिवार के बयान से कुछ घंटे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद बंद कर देगा। अमेरिका का कहना है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदकर पुतिन को युद्ध के लिए वित्तीय मदद दे रहा है।

जहां हैं वहीं रुक जाएं यूक्रेन और रूस: ट्रंप ने किया युद्ध समाप्त करने का आह्वान

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ शुक्रवार को व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में लंबी बैठक के बाद यूक्रेन एवं रूस से युद्ध समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे जहां हैं वहीं रुक जाएं। ट्रंप ने राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद से यह युद्ध समाप्त नहीं होने को लेकर कई बार हताशा जताई है लेकिन उनकी ताजा टिप्पणी यूक्रेन के लिए यह संदेश प्रतीत होती है कि वह रूस के हाथों गंवाई भूमि को वापस लेने का प्रयास छोड़ दे। ट्रंप ने जेलेंस्की और उनकी टीम की दो घंटे से अधिक की बातचीत के तुरंत बाद ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, काफी खून-खराबा हो चुका है, संपत्ति की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं। उन्होंने कहा, उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए जहां वे हैं। दोनों को जीत का दावा करने दें, इतिहास को फैसला करने दें ट्रंप ने बाद में फ्लोरिडा पहुंचने के तुरंत बाद दोनों पक्षों से तुरंत युद्ध रोकने का आग्रह किया और संकेत दिया कि रूस यूक्रेन से छीना गया क्षेत्र अपने पास रखे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आप युद्ध रेखा के अनुसार चलें, चाहे वह कहीं भी हो वरना यह बहुत जटिल हो जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप युद्ध रेखा पर रुक जाएं और दोनों पक्षों को वापस जाना चाहिए, अपने परिवारों के पास जाना चाहिए, हत्याएं बंद करनी चाहिए। शुक्रवार की बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम और बातचीत का समय आ गया है। उन्होंने जमीन छोड़ने के लिए ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव डाले जाने के बारे में पूछे गए सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया। जब पत्रकारों ने जेलेंस्की से ट्रंप के पोस्ट के बारे में सवाल किया तो यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, राष्ट्रपति सही हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,